तापमान

अधिकतम 35.0 डिग्री

न्यूनतम 25.7 डिग्री

हरिभूमि

रायपुर भूमि

रायपुर, शुक्रवार 18 जुलाई 2025

12 बिजली की बढ़ती दरों के विरोध में लालटेन लेकर कांग्रेस का...

14 कबाड़ से बने गैजेट से आसानी से होगी अब ट्रेन के ब्रेक की...

अवैध प्लाटिंग पर होगी सख्ती, एफआईआर के साथ निर्माण किया जाएगा ध्वस्त

हरिभूमि न्यूज□रायपुर

छत्तीसगढ़ के शहरी इलाकों में अब अवैध प्लाटिंग पर सख्ती की जाएगी। इस तरह के मामले सामने आने पर सबसे पहले एफआईआर करवाई जाएगी। यही नहीं, अगर अवैध स्थल पर कोई निर्माण कर लिया गया है, तो उसे भी तुरंत ध्वस्त कर दिया जाएगा। यही नहीं, इस तरह की अवैध प्लाटिंग के लिए नक्शा पास करने वाले अधिकारी और बिजली कनेक्शन की अनुमति देने वाले अधिकारी के खिलाफ भी कार्रवाई करने कहा गया है।

खास खबर

सभी नगरीय निकायों को सरकार का आदेश

अब मामला आते ही होगी ये कार्रवाई

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने अवैध प्लाटिंग कॉलोनी निर्माण के प्रकरणों के संज्ञान में आते ही कार्रवाई का आदेश दिया है। विभाग का कहना है कि अवैध कॉलोनी निर्माण करने वाला या कोई अन्य व्यक्ति, जो कालोनी स्थापित करने के उद्देश्य से, अपनी भूमि को या किसी अन्य व्यक्ति की भूमि को, भू खण्डों में विभाजित करता है, के विरूद्ध विधि सम्मत यथा एफआईआर दर्ज की जाये।

जब्त होगी निर्माण सामग्री

अवैध प्लाटिंग स्थल पर किये गये निर्माण संरचना जैसे रोड प्लींथ अन्य निर्माण को नियमानुसार कार्यवाही करते हुए पूर्णतः ध्वस्त कर, निर्माण सामग्री की जब्ती कार्यवाही की जाये। यही नहीं यदि किसी अधिकारी कर्मचारी द्वारा अवैध प्लाटिंग कॉलोनी पर भवन का नक्शा स्वीकृति या विद्युत जल प्रदाय संयोजन की अनुमति दी जाती है, तो उनके विरूद्ध छत्तीसगढ़ नगर पालिक निगम अधिनियम, छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम के तहत कार्रवाई होगी। आदेश में कहा गया है कि अवैध प्लाटिंग कॉलोनी निर्माण के संबंध में आवश्यक कार्यवाही के लिए राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग एवं नगर तथा ग्राम निवेश विभाग को भी सूचना दी जाए। साथ ही छत्तीसगढ़ नगर पालिक निगम तथा नगर पालिका (कालोनाइजर का रजिस्ट्रीकरण, निबंधन नियम, 2013 के तहत कार्रवाई करने कहा गया है।

इस संबंध में राज्य सरकार के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने राज्य के सभी नगर निगम आयुक्त, पालिकाओं और नगर पंचायतों के सीएमओ को आदेश जारी कर दिया है। सरकार का कहना है कि प्रायः यह देखने में आया है कि निकाय क्षेत्रांतर्गत अवैध प्लाटिंग कॉलोनी निर्माण करने वालों के विरुद्ध कई शिकायतें प्राप्त हो रही हैं, जबकि ऐसे प्रकरणों में नगर पालिक निगम क्षेत्र के लिए छत्तीसगढ़ नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 तथा नगर पालिका परिषद नगर पंचायत क्षेत्र के लिए छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम, 1961 एवं छत्तीसगढ़ नगर पालिक निगम तथा नगर पालिका (कालोनाइजर का रजिस्ट्रीकरण, नियम, 2013) के अंतर्गत कार्रवाई का प्रावधान है।

डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन का कवरेज बढ़ाया

रायपुर को चौथा स्थान ऐसे ही नहीं मिला, गंदे पानी का ट्रीटमेंट, धूल को धोने की कड़ी मेहनत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

देश के दस लाख से अधिक आबादी वाले स्वच्छ शहरों के टॉप टेन में रायपुर शहर ने अपनी धाक बनाई है। सात पायदान ऊपर चढ़कर इस बार रायपुर नगर निगम ने नेशनल रैंकिंग में चौथे स्थान पर जगह बनाई है। सम्मान पाने के लिए देश के 42 मिलेनियम प्लस सिटी के साथ कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच नगर निगम को बेहतरीन कार्य करने के लिए अपनी पिछली खामियों को सुधारने में खासी मशक्कत करनी पड़ी। आधा दर्जन बड़े काम भी जन सहभागिता के साथ निगम प्रशासन को इस दौरान करने पड़े तब जाकर यह सम्मान और राष्ट्रीय स्तर पर रैंकिंग हासिल हुई। ⏭शेष पेज 13 पर

अलग खबर

बड़े नालों की गंदगी को खारुन में गिरने से बचाने ट्रीटमेंट प्लांट

खामियों पर मेहनत

सकरी में कचरा निष्पादन का सबसे बड़ा 28 एकड़ का प्लांट जिसमें गीला और सूखा कचरा को अलग-अलग प्रोसेस कर खाद बनाया जाता है। यही नहीं, पालिथीन का उपयोग टायर बनाने और प्लास्टिक वेस्ट का दोबारा उपयोग कर उससे उत्पाद बनाने का कार्य पहले नहीं होता था, उस पर काम किया गया है। प्लांट में वाटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाया गया है।

डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन के लिए नया एरिया कवर

शहर के विस्तार के साथ ही नई कालोनियों में कचरा संग्रहण कर उसे सेकंडरी पाइंट तक पहुंचाने अनुबंधित एजेंसी काम कर रही है। कौशिल्या विहार के अलग-अलग सेक्टर, हाउसिंग बोर्ड की कालोनी सहित आउटर के इलाके में डोर टू डोर कचरा कलेक्शन होने से शहर को स्वच्छ रखने के काम में मदद मिली है। निगम में शामिल ग्रामीण क्षेत्रों में डोर टू डोर कचरा कलेक्शन का काम किया जाना बाकी है, वहीं घरों व दुकानों से गीला और सूखा कचरा अलग कर लेने में निगम से अनुबंधित एजेंसी पीछे है।

धूल मुक्त शहर के लिए मैकेनाइज्ड स्वीपिंग

धूल और मिट्टी से वायु प्रदूषण के खतरे को दूर करने रायपुर नगर निगम ने मेट्रो सिटी की तर्ज पर रोड स्वीपिंग मशीन से मैकेनाइज्ड सफाई के सिस्टम को अपनाया। अनुबंधित एजेंसी शहर के चयनित टू लेन, फोर लेन, सिक्स लेन की सड़कों की रात्रिकालीनी सफाई नियमित रूप से करा रही है। इसके चलते शहर में धूल और मिट्टी से होने वाली परेशानी से निजात पाने में काफी हद तक सफलता ⏭शेष पेज 13 पर

जन सहभागिता से मिली सफलता

रायपुर शहर देश के सबसे स्वच्छ शहर की रैंकिंग में 4थे नंबर पर आया है। यह हम सबके लिए सम्मान और गौरव की बात है। इस सफलता का श्रेय शहर की जनता और निगम के सफाई कर्मचारी, अधिकारी सहित पूरी टीम को जनप्रतिनिधि को जाता है। हमारा प्रयास है कि रायपुर शहर स्वच्छ शहर की रैंकिंग में नंबर वन पर आए।

- **मीनल चौबे,** महापौर, नगर निगम रायपुर

सेंट्रल जेल में गुंडागर्दी, पूर्व सीएम के करीबी पर जानलेवा हमला

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- जेल की सुरक्षा व्यवस्था पर लग रहे सवालिया निशान
- इस मामले में कुछ भी बोलने से बच रहा है जेल प्रशासन

सेंट्रल जेल रायपुर में पिछले दो दिनों से गैंगवार की स्थिति निर्मित हो गई है। इसी गैंगवार के कारण ठगी के आरोप में जेल में बंद पूर्व सीएम के करीबी आशीष सिंदे और उसके एक साथी पर बदमाशों ने ब्लेड से जानलेवा हमला कर दिया। जेल प्रशासन पहले ऐसी किसी तरह की घटना होने से इनकार कर रहा था, फोटो वायरल होने के बाद जेल प्रशासन इस मामले में कुछ भी बोलने से बच रहा है। घायलों का उपचार आंबेडकर अस्पताल में कराया जा रहा है।

सूत्रों के मुताबिक ठगी के आरोप में पूर्व में जेल में बंद एक कांग्रेसी नेता द्वारा गुटबाजी के कारण आशीष सिंदे पर हमला कराया गया है। हालांकि पुलिस ने इसकी अधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं की है। पुलिस मामले की जांच के बाद उचित कार्रवाई करने की बात कह रही है। आशीष सिंदे तथा उसके अन्य साथी पर प्राणघातक हमले की जेल प्रशासन ने आंतरिक जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है, दो बंदियों ने मिलकर आशीष तथा उसके साथी पर हमला किया है। हमले की वजह राजनीतिक के साथ गुटीय संघर्ष को बताया जा रहा है।

एक दिन पूर्व जेल प्रहरी के साथ मारपीट

जेल में बदमाशों का दबदबा इस कदर हावी है कि जेल में बंद बंदी वहां सुरक्षा में तैनात सुरक्षाकर्मियों तक से नहीं डरते। सूत्रों के मुताबिक एक दिन पूर्व बदमाशों ने एक जेल प्रहरी के गले में धारदार हथियार टिकाकर उसके साथ जमकर मारपीट की। अन्य जेल प्रहरी तथा बंदियों के बीच बचाव करने पर बदमाशों ने जेल प्रहरी को छोड़ा। ऐसे में सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है, जेल में सुरक्षा व्यवस्था कितनी मजबूत है।

हत्या के आरोपी ने साथी के साथ मिलकर किया हमला

आशीष सिंदे तथा उसके साथी पर जिन बदमाशों ने धारदार हथियार से हमला किया है, उसमें हत्या के आरोप में जेल में बंद किसी सांई नाम के बदमाश का नाम सामने आ रहा है। सांई ने अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर आशीष तथा उसके साथी पर हमला किया है। सूत्रों के मुताबिक आशीष पर जब बदमाश हमला कर रहे थे, उस समय आशीष को उसका साथी बचाने के लिए पहुंचा। इस दौरान बदमाशों ने उस पर भी हमला कर दिया।

भारतमाला प्रोजेक्ट की सीबीआई जांच की मांग, मंत्री ने कहा- ईओडब्ल्यू जांच में सक्षम

बड़े लोग कार्रवाई से बचे, छोटे लोगों की हुई गिरफ्तारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

विधानसभा के मानसून सत्र में भाजपा विधायक धरम लाल कौशिक ने भारतमाला प्रोजेक्ट का मुद्दा उठाया। उन्होंने मामले की सीबीआई जांच की

मांग करते हुए कहा, भारतमाला में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है। बिलासपुर संभाग में भी बड़ा भ्रष्टाचार उजागर हुआ है। मामले में अभी छोटे लोगों की गिरफ्तारी हुई है। बड़े लोग कार्रवाई से बचे हुए हैं। इस पर राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा, ईओडब्ल्यू जांच कर रही है।

ध्यानाकर्षण सूचना में विधायक धरमलाल कौशिक ने कहा, निजी भूमि अधिग्रहण के तहत गांवों में 500 वर्गमीटर से कम भूमि का मुआवजा ज्यादा तो 500 वर्गमीटर से अधिक की भूमि पर कम मुआवजा मिलता है। आमतौर पर यह देखने पर पाया गया है कि एक एकड़ भूमि का मुआवजा 20 लाख होगा, तो इसे टुकड़ों में बांटकर 500 वर्गमीटर से कम कर दिया जाए तो कुल मुआवजा लगभग 1 करोड़ हो जाता है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए भारतमाला प्रोजेक्ट में कई जिलों में भूमि घोटाला गड़बड़ी सामने आई है।

जमीन दलालों से राजस्व अधिकारियों की मिलीभगत

भाजपा विधायक ने आरोप लगाया कि राजस्व विभाग के अधिकारियों ने प्रॉपर्टी डीलिंग का कार्य करने वाले एवं अन्य लोगों के साथ मिलकर 1 जमीन को राजस्व अभिलेखों में कूटरचना, अविधिक रूप से दर्ज नामातांरण, बंटवारा कर फर्जी तरीके से 6-10 लोगों के नाम दर्ज कर शासन को करोड़ों रुपए का नुकसान पहुंचाया है। जिन लोगों की जमीनें नहीं थीं, उन्हें भी कागजों में भूस्वामी बताकर करोड़ों रुपए की बंदरबाट की गई है।

संभागायुक्तों के माध्यम से भू-अर्जन की जांच

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने जवाब में कहा, भारतमाला परियोजना अंतर्गत किए गए भूमि अर्जन के मुआवजा निर्धारण एवं वितरण में अनियमितता किए जाने की शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इन पर कार्रवाई करते हुए संभागायुक्तों के माध्यम से दल गठित करके संपूर्ण भूमि अर्जन की जांच कराई जा रही है, जो कि प्रक्रियाधीन है। इसके साथ अनियमितता में शासकीय कर्मचारियों के साथ निजी व्यक्तियों की भी संलिप्तता पाए जाने पर राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण-एन्टी करप्शन ब्यूरो से जांच कराई जा रही है।

10 आरोपी गिरफ्तार

अब तक की जांच प्रकरण में संलिप्तता व साक्ष्य के आधार पर 8 गैर लोक सेवक तथा 10 लोक सेवकों को आरोपी बनाया गया है, जिसमें से 8 गैर लोक सेवकों तथा एक लोक सेवक और एक सेवानिवृत्त लोक सेवक आरोपियों को गिरफ्तार कर कुल 10 आरोपियों को जेल निरुद्ध की कार्रवाई की गई है।

8 के खिलाफ स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी

मंत्री ने बताया कि 8 आरोपियों के विरुद्ध विशेष न्यायालय रायपुर से स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी कराया गया है, जिसमें से 6 आरोपियों का न्यायालय द्वारा उद्घोषणा जारी किया गया है। एक आरोपी को उच्चतम न्यायालय द्वारा अंतरिम राहत प्रदान की गई है, वहीं एक आरोपी के विरुद्ध साक्ष्य संकलन जारी है। उपरोक्त आरोपियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई कर अन्य आरोपियों के विरुद्ध विवेचना जारी है।

हाउसिंग बोर्ड के मकानों के लिए नई नीति, बिना डिमांड नहीं बनेंगे मकान

60 फीसदी बुकिंग पर ही काम होगा शुरू

छत्तीसगढ़ में अब हाउसिंग बोर्ड नई नीति पर काम करेगा, ताकि हाउसिंग बोर्ड का प्रोजेक्ट्स घाटे में ना जाए। विधानसभा में हाउसिंग बोर्ड पर पूछे गए सवाल के जवाब में वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने ये जानकारी दी। छत्तीसगढ़ में अब हाउसिंग बोर्ड की योजनाएं तभी लागू होंगी, जब उनके लिए पहले से बुकिंग होगी। अब वही प्रोजेक्ट्स शुरू किए जाएंगे, जिनमें कम से कम 60 प्रतिशत प्री-बुकिंग हो। प्रश्नकाल में पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर के सवाल के जवाब में मंत्री ने बताया गया कि राज्य में अब तक 80 हजार 870 मकान बनाए गए हैं, जिनमें से 78,503 मकान बेचे जा चुके हैं। फिलहाल 2367 मकान शेष हैं। मंत्री चौधरी ने बताया कि 30 प्रतिशत प्री-बुकिंग होते ही प्रोजेक्ट लॉन्च किया जाएगा। 60 प्रतिशत बुकिंग पूरी होने पर ही टेंडर प्रक्रिया शुरू होगी। ये निर्णय इसलिए लिया गया है, ताकि राज्य की संपत्ति का अनावश्यक नुकसान ना हो और केवल मांग के अनुरूप ही मकान बनाए जाएं। अब बिना डिमांड के मकान नहीं बनाए जाएंगे। पहले हुई गलतियों से सबक लेकर नई नीति बनाई गई है।

ओटीएस स्कीम से हुई आय

मंत्री ने जानकारी दी कि राज्य में पहले बिना मांग के मकान बनाए गए, जो बिक नहीं सके. इस कारण सरकार को नुकसान हुआ.ऐसे मकानों की बिक्री के लिए वन टाइम सेटलमेंट (ओटीएस) स्कीम चलाई गई, जिसे लोगों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला। ओटीएस-1 के तहत 2,506 मकानों का आबंटन हुआ, जिससे 511 करोड़ रुपये की आमदनी हुई। ओटीएस-2 के तहत 995 मकान बेचे गए, जिससे सरकार को 147 करोड़ रुपये की आय हुई।

एचएसआरपी के लिए मोबाइल नंबर अपडेट करने आधा दर्जन मोबाइल नंबर जारी, सितंबर तक समय सीमा निर्धारित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

अप्रैल 2019 के पूर्व के जितने भी पुराने वाहन है, उनमें अनिवार्य रूप से एचएसआरपी लगवाना है। सितंबर तक राज्य के सभी जिलों में पुराने वाहनों में एचएसआरपी लगवाना अनिवार्य है। ऐसे में परिवहन विभाग ट्रैफिक पुलिस के साथ संयुक्त रूप से अभियान चलाकर राज्य की राजधानी में पुराने वाहनों में एचएसआरपी लगवाने अभियान चला रहा है। एक सप्ताह के भीतर ट्रैफिक पुलिस तथा परिवहन विभाग के अफसरों ने संयुक्त रूप से अभियान चलाकर पांच हजार से ज्यादा पुराने वाहन मालिकों से नए नंबर प्लेट लगवाने फार्म जमा करवाया है।

परिवहन विभाग के अफसरों के अनुसार एचएसआरपी लगवाने लगातार अभियान जारी रहेगा। एचएसआरपी लगवाने सबसे बड़ी समस्या मोबाइल नंबर अपडेट नहीं होना है। इसके लिए परिवहन विभाग ने मोबाइल अपडेट करने आधा दर्जन हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। परिवहन विभाग के आंकड़ों के

अनुसार रायपुर जिले में अप्रैल 2019 के पूर्व 13 लाख 35 हजार वाहन रजिस्टर्ड हैं। रजिस्टर्ड वाहन में से अब तक बुधवार तक की स्थिति में एचएसआरपी लगवाने लगाए गए दो लाख 57 हजार आवेदन में से एक लाख 42 हजार वाहन में एचएसआरपी लग चुका है। परिवहन विभाग के अफसरों के अनुसार मई के बाद एचएसआरपी लगवाने अन्य महीनों की तुलना में ज्यादा आवेदन आए हैं।

ऐसे करें मोबाइल नंबर अपडेट

वाहन मालिक एचएसआरपी लगवाने सीजी ट्रांसपोर्ट डॉट जीओवी में सीधे आवेदन कर सकते हैं। जिन वाहन मालिकों का मोबाइल नंबर अपडेट नहीं है, वे आरसी, आधार कार्ड स्व-सत्यापित कर मोबाइल नंबर लिखकर एक साथ पीडीएफ फॉर्मेट में परिवहन विभाग के मोबाइल नंबर 7869745862, 9752765562, 7898779462, 8871422065, 9752787162 या 8982812162 में किसी भी एक नंबर पर व्हाट्सएप करें, जिसका मोबाइल नंबर परिवहन कार्यालय रायपुर द्वारा अपडेट किया जाएगा। मोबाइल नंबर अपडेट होते ही उपरोक्त वेबसाइट के माध्यम से वाहनों का एचएसआरपी नंबर प्लेट प्राप्त करने के लिए स्वयं अथवा किसी च्वाइस सेंटर के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

सितंबर के बाद चालानी कार्रवाई

परिवहन विभाग के अफसरों के अनुसार अप्रैल 2019 के पूर्व जिन वाहनों में एचएसआरपी नहीं होगा, ऐसे वाहनों को चिन्हांकित कर चालानी कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही पुराने वाहन के मालिक जो नंबर प्लेट अपडेट नहीं कराएंगे, ऐसे वाहन मालिक जल्द से जल्द नंबर प्लेट अपडेट कराएं, इसके लिए पेट्रोल पंप संचालकों की मदद ली जाएगी। जिन वाहनों में नंबर प्लेट अपडेट नहीं होगा, ऐसे वाहन मालिकों को पेट्रोल, डीजल देने पर रोक लगाने परिवहन विभाग व्यवस्था करने की बात कह रहा है।

पूर्व महापौर एजाज ढेबर ने मजबूती के साथ निभाई भागीदारी

बिजली की बढ़ती दरों के विरोध में लालटेन लेकर कांग्रेस का बिजली न्याय आंदोलन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ में बढ़ती बिजली दरों से जहां आम जनता परेशान है, वहीं कांग्रेस पार्टी ने भी इसके विरोध में बिजली न्याय आंदोलन की शुरुआत राजधानी से कर दी है। विद्युत विभाग और प्रशासन के खिलाफ राजधानी रायपुर में गुरुवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में भागीदारी दर्ज कराई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के नेतृत्व में हो रहे इस चरणबद्ध आंदोलन के तहत पूर्व महापौर एजाज ढेबर ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ उपस्थित होकर भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद की।

एजाज ढेबर ने इस अवसर पर कहा, बिजली जैसी मूलभूत सुविधा पर महंगाई का बोझ डालकर भाजपा सरकार जनता को लूट रही है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के नेतृत्व में हम हर मंच से जनता की आवाज उठाएंगे। श्री ढेबर ने कहा कांग्रेस का संघर्ष सिर्फ विरोध नहीं, जन-आधिकार की रक्षा के लिए है। रायपुर सहित पूरे प्रदेश में बढ़ती बिजली दर के खिलाफ आम जनता के साथ कांग्रेस सड़कों पर उतर चुकी है।"

पूर्व महापौर ने अपने समर्थकों के साथ नारेबाजी करते हुए बिजली विभाग और भाजपा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर बढ़ती कीमतों को गरीब, मध्य वर्ग व किसानों के खिलाफ सीधा हमला बताया। बिजली दरों में बढ़ोतरी वापस लेने की मांग करते हुए एजाज ढेबर ने कहा कि पूर्व में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में जनता को राहत देने के लिए घरेलू बिजली बिल आधा करने की योजना सफलतापूर्वक लागू की गई थी, लेकिन वर्तमान की भाजपा सरकार उसे पलटकर लगातार जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ा रही है। प्रदेश कांग्रेस ने स्पष्ट किया है कि अगर प्रदेश सरकार ने बिजली दरों में वृद्धि को वापस नहीं लिया, तो कांग्रेस पार्टी पूरे प्रदेश में बड़ा जन आंदोलन छेड़ेगी। बिजली दर में बढ़ोतरी का सांकेतिक विरोध कांग्रेसियों ने लालटेन जलाकर किया।

ठाकरे परिसर में मंत्रियों का सहयोग केंद्र फिर से प्रारंभ होने का इंतजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में प्रदेश के मंत्रियों का सहयोग केंद्र बीते कई माह से बंद हैं। ऐसे में इस सहयोग केंद्र के माध्यम से अपने क्षेत्र के लोगों को समस्या के निराकरण के लिए लाने वाले कार्यकर्ता निराश हैं। इस सहयोग केंद्र के माध्यम से मंत्रियों के विभागों की समस्या लेकर प्रदेशभर के कार्यकर्ता आते हैं और उनकी ज्यादातर समस्याओं का निराकरण हो जाता है। सप्ताह में पांच दिनों तक अलग-अलग मंत्री समय के हिसाब से बैठते हैं। सभी को सहयोग केंद्र के फिर से प्रारंभ होने का इंतजार है। प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद यह तय किया गया कि प्रदेश के मंत्री भी भाजपा संगठन के कार्यकर्ताओं से लगातार मिलकर उनकी समस्याओं का निराकरण करेंगे। इसी के साथ यह भी तय किया गया कि कार्यकर्ता अपने साथ अपने क्षेत्र के लोगों को भी लाकर मंत्रियों के सामने समस्याएं और अपनी मांगे रख सकते हैं। इसके लिए तय किया गया कि प्रदेश के दोनों डिप्टी सीएम के साथ सभी मंत्री बारी-बारी से सोमवार से लेकर शुक्रवार तक कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में बैठेंगे और समस्याओं को सुनकर उनका निराकरण करेंगे।

फिर से प्रारंभ होने का इंतजार

भाजपा के जानकारों का कहना है कि बीते साल सहयोग केंद्र में मंत्रियों का लगातार बैठना हो रहा था। लेकिन सितंबर से भाजपा के सदस्यता अभियान, संगठन चुनाव और फिर बाद में नगरीय निकाय चुनाव में सबके व्यस्त होने के कारण लंबे समय से मंत्रियों का सहयोग केंद्र में आना बंद हो गया है। अब तो नगरीय निकाय चुनाव को निपटे हुए भी चार माह से ज्यादा का समय हो गया है लेकिन इसके बाद भी सहयोग केंद्र के प्रारंभ न होने के कार्यकर्ता निराश हैं। कार्यकर्ता इस बात का इंतजार कर रहे हैं कि कब सहयोग केंद्र का प्रारंभ हो तो वे अपने क्षेत्र के लोगों के साथ समस्याएं लेकर विभागीय मंत्रियों तक जा सके। वैसे जिन कार्यकर्ताओं की पहुंच मंत्रियों के बंगलों तक है वो तो सीधे वहां पहुंचकर भी अपनी समस्याओं का निराकरण करा लेते हैं, लेकिन सभी कार्यकर्ताओं की पहुंच मंत्रियों के बंगले तक नहीं है। ऐसे में इन कार्यकर्ताओं को सहयोग केंद्र का ही सहारा है।

वाटर जग मामले में भाजपा आज करेगी पुतला दहन

रायपुर। भाजपा अजजा मोर्चा अध्यक्ष विकास मरकाम ने वाटर जग मामले में कहा, यह बड़ी विडंबना और हास्यास्पद है, जो खरीदी हुई ही नहीं, कांग्रेस उसका स्क्रीन शॉट भ्रम फैलाने के लिए कर रही है। कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी को शर्म आनी चाहिए। बलौदाबाजार जिले के

आदिवासी विकास विभाग के छात्रावास के लिए वाटर जग खरीदी को लेकर जो भ्रामक पोस्ट कांग्रेस नेताओं और उनके आईटी सेल द्वारा फैलाई गई है, वह पूरी तरह तथ्यहीन, दुर्भावनापूर्ण और आदिवासी समाज के स्वाभिमान पर हमला है। आदिवासी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को बदनाम करने के उद्देश्य से कांग्रेस अब फर्जी दस्तावेजों का सहारा लेकर कूटरचित अपराधिक षडयंत्र करने लगी है। श्री मरकाम ने कहा, अजजा मोर्चा 18 जुलाई को दोपहर 3 बजे आंबेडकर चौक, रायपुर में राहुल गांधी के इशारे पर हो रहे आदिवासी स्वाभिमान को ठेस पहुंचाने की साजिश के खिलाफ पुतला दहन करेगी और प्रदेश के आदिवासी, ईमानदार मुख्यमंत्री के साजिशकर्ताओं को जनता के सामने बेनकाब करेगी।

इजरायल की तकनीकी दक्षता और जनजागरूकता अनुकरणीय : मीनल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

रायपुर नगर निगम महापौर मीनल चौबे ने कहा है कि इजरायल की जनता कचरा को अलग-अलग करने उसके उचित निपटान और स्वच्छता नियम को लेकर काफी जागरूक है। वहां की तकनीकी दक्षता और नागरिकों की जागरूकता से हम बहुत कुछ सीख सकते हैं। उन्नत तकनीक से वहां कचरे से ऊर्जा उत्पादन किया जा रहा है, स्मार्ट कचरा संग्रहण, स्मार्ट डस्टबिन और कचरा गाड़ियों में जीपीएस सिस्टम को हम रायपुर शहर में भी अपना सकते हैं। इजरायल दौरे पर गयी महापौर ने अपने अनुभव साझा करते हुए ये बातें कही। महापौर मीनल ने बताया कि इजरायल की तर्ज पर रायपुर

शहर में मोहल्ला पुरस्कार जैसी योजनाएं लागू की जा सकती हैं। साथ ही दंडात्मक नियम से अनुशासन भी तय किया जाये। मजबूत बुनियादी ढांचा, उच्च गुणवत्ता वाले संसाधन, प्रशिक्षित कर्मचारी और सख्त नीतियां स्वच्छता को सुनिश्चित करते हैं। उन्होंने कहा कि उन्नत तकनीक और आम जनता के सहयोग से हम एक सुंदर, स्वस्थ और स्मार्ट शहर बना सकते हैं।

खबर संक्षेप

आरंग पालिका के नेता प्रतिपक्ष बने शरद गुप्ता

आरंग। नगर पालिका परिषद आरंग में जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति कर दी गई। दूसरी बार पार्षद बने वार्ड क्र 14 के पार्षद शरद (जीतू) गुप्ता को नेता प्रतिपक्ष बनाया गया है। ज्ञात हो की नगर पालिका परिषद आरंग में बीजेपी के 10 पार्षद, कांग्रेस के 05 पार्षद और शिवसेना के 02 पार्षद चुने गए थे। दूसरी सबसे बड़ी संख्या वाले पार्षद दल के नेता तथा नेता प्रतिपक्ष के रूप में पार्षद शरद गुप्ता महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। शरद गुप्ता ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि नेता प्रतिपक्ष की सशक्त भूमिका निभाते हुए नगर विकास तथा जनहित के मुद्दों को परिषद में उठाएंगे। पालिका प्रशासन से नेता प्रतिपक्ष व विपक्षी पार्षदों के लिए पालिका कार्यलय मे बैठने के लिए एक कमरा उपलब्ध कराने की मांग सी.एम.ओ. से किया है। उन्होंने इस महत्वपूर्ण दायित्व के लिए पूर्व मंत्री डॉ शिव कुमार डहरिया तथा रायपुर जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के अध्यक्ष उधो राम वर्मा तथा कोमल साहू के प्रति आभार व्यक्त किया है।

पंथी कलाकार उपेन्द्र जांगड़े का हुआ निधन

चंदखुरी। किसी कलाकार का असमय मृत्यु होने से उनके साथी कलाकार के लिए बड़ा पीड़ादायक होता है, माता कौशल्या धाम चंदखुरी समीप ग्राम कुटेसर निवासी राष्ट्रीय पंथी कलाकार उपेन्द्र जांगड़े (टेटकू) का 15 जुलाई 2025 को निधन हो गया। काफी दिनों से स्वास्थ्य संबंधी समस्या से जुझ रहे थे वे मेकाहारा रायपुर में भर्ती थे, महज 32 वर्षीय उपेन्द्र राष्ट्रीय स्तर के पंथी लोकनृत्य के मंझे हुए कलाकार थे, उपकार पंथी नृत्य दल के सदस्य व नृत्य संयोजन में महारत हासिल थे।

आईटीआई में विभिन्न ट्रेडों पर आवेदन भरने की अंतिम तिथि 23 को

आरंग। छत्तीसगढ़ शासन कौशल विकास तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग अंतर्गत संचालनालय रोजगार एवं प्रशिक्षण के अधीन संचालित शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान आरंग जिला रायपुर छत्तीसगढ़ में एनसीवीटी, एससीवीटी की पाठ्यक्रमों इलेक्ट्रीशियन, फिटर, कोपा, वेल्डर में प्रवेश हेतु इच्छुक अभ्यर्थियों से 16 से 23 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित है।

निधन

सुमित्रा भांडेकर

आरंग। शासकीय रविदास प्राथमिक शाला आरंग की प्रधान पाठिका 60 वर्षीय सुमित्रा भांडेकर का आकस्मिक निधन 16 जुलाई को हो गया। अंतिम यात्रा में जनप्रतिनिधिगण, शिक्षा अधिकारी, शिक्षकगण, नागरिक शामिल होकर श्रद्धांजलि दिए। वह सूरज भांडेकर, योगेश भांडेकर एवं शिक्षिका सीमा भांडेकर की माता थी।

जिला शिक्षा अधिकारी के नेतृत्व में शिक्षकों की कार्यशाला, मिशन उत्कर्ष सहित कई योजनाओं पर की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग

बुधवार को जिला प्रशासन रायपुर के निर्देशानुसार जिला शिक्षा अधिकारी रायपुर हिमांशु भारतीय के नेतृत्व में सृजन सोनकर हायर सेकंडरी विद्यालय आरंग के शैक्षिक हाल में कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें विकासखंड शिक्षा अधिकारी आरंग दिनेश शर्मा का मार्गदर्शन एवं समस्त प्राचार्यगण, समस्त संकुल समन्वयकगण की सहभागिता रही। इस अवसर पर डीईओ हिमांशु भारतीय जो अपने उत्कृष्ट नेतृत्व क्षमता के लिए जाने जाते हैं ने अपने प्रभावी वक्तव्य में मिशन उत्कर्ष योजना के अंतर्गत 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा में 100% उत्तीर्णता एवं शैक्षिक कैलेंडर का शत प्रतिशत पालन, मासिक टेस्ट एवं पढ़े रायपुर लिखे रायपुर के अंतर्गत एफएलएन गतिविधियों के सफल क्रियान्वयन तथा हरियर स्कूल के अंतर्गत प्रत्येक विद्यालय में एक पेड़ मां के नाम अभियान थीम पर पौधारोपण एवं ऐसे स्कूलों को चिन्हित करना जहां 1.5 से 2 एकड़ पर्याप्त जगह बाउंड्री वॉल की उपलब्धता हो और हरियर स्कूल योजना के अंतर्गत उसे पर्यावरण की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध स्कूल बनाया जा सके। साथ ही ननिहाल छात्रवृत्ति श्रम विभाग की योजना, ऑपरेशन उद्घोष के अंतर्गत प्रतिभावान एवं निपुण शिक्षकों के माध्यम से बच्चों की प्रतिभा निखार एवं अभिव्यक्ति का अवसर मिलना, प्रोजेक्ट यू के अंतर्गत अध्ययन अध्यापन को रोचक एवं प्रभावी बनाना।

पर्यावरण की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध स्कूल बनाया जा सके

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर डीएमसी केएस पटले, एपीसी अरुण शर्मा, परियोजना अधिकारी समग्र शिक्षा इंदिरा गांधी, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक मातली नंदन वर्मा, पूनम तिवारी,उषा वर्मा, प्राचार्यगण श्रीराम बंडारू, राज्यश्री गुप्ता, एसके ऊपरडे, परदेशी मेडम, अंजलि बखला, जेआर आल्हा, सरोजनी केरकेट्टा, आरपी साहू, इंद्रजीत बिद, माणिकलाल मिश्रा, संतोष देवांगन, हरीश शर्मा, एसआर धृतलहरे आदि एवं संकुल समन्वयगण हरीश दीवान, जितेंद्र शुक्ला, प्रहलाद शर्मा, सुरेंद्र चंद्रसेन, मनोज मुछावर, रोशन चंद्राकर, विजय देवांगन, पोखन साहू, अभिषेक तिवारी, सुनील पटेल, धनंजय साहू सहित 48 संकुल के समन्वयकगण एवं अन्य शिक्षक साथियों की भी उपस्थिति रही।

हादसा : सड़क किनारे मछली व सब्जी दुकान के चलते हो रहे हादसे

बस ने तीन बाइक को मारी ठोकर सवार लोगों ने कूदकर बचाई जान

हरिभूमि न्यूज ⏭ तिल्दा नेवरा

तिल्दा नेवरा में सासाहोली रेलवे ओवर ब्रिज के पास तिल्दा-सिमगा मुख्य मार्ग पर रोजाना अवैध रूप से लगने वाला मछली बाजार गंभीर हादसों का कारण बन रहा है। बुधवार देर शाम भी इसी वजह से एक बड़ा हादसा होते-होते बचा। तिल्दा की ओर से आ रही एक बस (सीजी 04 ई 3194) ने सड़क किनारे खड़े मोटरसाइकिल सवार लोगों को जोरदार टक्कर मार दी। गनीमत रही कि मोटरसाइकिल सवार लोगों ने कूदकर अपनी जान बचा ली, हालांकि इस घटना में तीन मोटरसाइकिलें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। इस मार्ग पर छोटी-बड़ी हजारों गाड़ियां और भारी वाहनों की आवाजाही लगातार होती रहती है। सड़क किनारे मछली और सब्जी की दुकानें होने के कारण खरीददार सड़क पर ही खड़े होकर खरीदारी करते हैं, जिससे यातायात में बाधा उत्पन्न होती है और दुर्घटनाओं का खतरा हमेशा बना रहता है। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने नेवरा पुलिस को सूचना दी और बस चालक को पकड़कर तिल्दा पुलिस के हवाले कर दिया।

- बस चालक को पकड़कर किया पुलिस के हवाले

बाजार को तत्काल हटाकर यातायात दुरुस्त करने की जरूरत

तिल्दा पुलिस आगे की जांच कार्रवाई में जुट गई है। यह चिंता का विषय है कि सभी जनप्रतिनिधियों और सरकारी अधिकारियों का आना-जाना इसी मार्ग से होता है, लेकिन वे इस गंभीर समस्या पर आंखें मूंदे बैठे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि वे किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहे हैं। जिम्मेदार अधिकारियों के इस तरह मौन रहने से आम जनता में काफी चिंता और रोष है। इस अवैध बाजार को तत्काल हटाकर यातायात व्यवस्था को सुगम और सुरक्षित बनाने की सख्त आवश्यकता है।

शिव का अर्थ होता है कल्याण जो सारी सृष्टि का कल्याण करें वह शिव कहलाता है

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

श्री शंकराचार्य आश्रम बोरिया कला में चातुर्मास प्रवचन माला के अंतर्गत शिव पुराण की दिव्य अमृतमयी कथा

- चातुर्मास प्रवचन माला के अंतर्गत शिव पुराण की दिव्य अमृतमयी कथा

सुनाते हुए शंकराचार्य आश्रम के प्रभारी डॉ. स्वामी इन्दुभवानन्द तीर्थ महाराज ने बताया कि शिव पद की प्राप्ति ही जीवन का लक्ष्य होना चाहिए। शिव का अर्थ होता है कल्याण, जो सारी सृष्टि का कल्याण करें वह शिव कहलाता है। "श" का अर्थ नित्य सुख "व" का अर्थ अमृत और ई का अर्थ पुरुष, इन दो शब्दों के मिलने से शिव शब्द की निष्पत्ति होती है। जिसका अर्थ होता है, जिससे नित्य सुख की प्राप्ति हो और वह शिव शब्द वाच्य होता है। जिसमें सारा विश्व प्रपंच शयन करें, जो सारे विश्व का आधार हो वह शिव तत्व कहलाता है, जो दैत्य और देवों के लिए सम हो वह शिव तत्व कहलाता है। भगवान शिव के समस्त उपासक हैं और भगवान शिव समस्त देव दानवों के प्रेमास्पद है। प्राणी को वेदों के अनुसार कर्म करते हुए जिस फल की प्राप्ति होती है, वह फल भगवान श्री शिव के चरणों में समर्पित कर देने से शिवपद की प्राप्ति हो जाती है।

शिव पुराण की पोथी होती है, उसके घर को तीर्थ माना जाता है

स्वामी जी ने बताया कि जिसके घर में केवल शिव पुराण की पोथी होती है, उसके घर को तीर्थ माना जाता है और जहां शिव पुराण की पोथी रखी है। उस घर में जो प्राणी निवास करता है, उसको तीर्थ निवास का पुण्य प्राप्त होता है।कथा के पूर्व श्री शंकराचार्य आश्रम के वैदिक विद्वानों ने मंगलाचरण करके पोथी का पूजन कर आरती करने के पश्चात कथा प्रारंभ हुई।

गुजरा में दो युवाओं की मौत से पसरा मातम

आरंग। ग्राम गुजरा के लिए गुरुवार का दिन एक त्रासदी बनकर सामने आया। गांव ने अपने दो होनहार युवाओं को एक ही दिन में खो दिया, जिससे पूरे गांव में गमगीन सन्नाटा पसरा हुआ है। जहां एक ओर 25 वर्षीय पेट्रोल पंप कर्मी योगेश मिरी पिता नरोत्तम मिरी की उमरिया के गांव के पास फोरलेन में स्थित पेट्रोल पंप में लूटपाट के दौरान निर्मम हत्या कर दी गई, वहीं दूसरी ओर गांव के युवा सरपंच प्रतिनिधि कोमल बंजारे (30) जो कि वर्तमान सरपंच बिंदु बंजारे के पति है की दोपहर लखौली रसनी के बीच हुई दर्दनाक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। इन दोनों हृदय विदारक घटनाओं ने पूरे गांव को गहरे शोक में डाल दिया है। घर-घर में मातम है और हर आंख नम है। विदित हो कि गुरुवार अलसुबह वार उमरिया स्थित पेट्रोल पंप पर ड्यूटी कर रहे योगेश मिरी (उम्र 25 वर्ष) को चिल्लर के नाम पर बहाना बनाकर आए दो युवकों ने कैश लूटकर जान से मार डाला। लूट के दौरान विरोध करने पर योगेश के गले पर ताबड़तोड़ हमला कर उसकी मौके पर ही हत्या कर दी गई। योगेश ईमानदार, मेहनती और बेहद शांत स्वभाव का युवक था, जो अपने परिवार की जिम्मेदारी निभाने के लिए अलसुबह से ही ड्यूटी करता था।

दंपत्ति की हत्या पर धनेन्द्र साहू ने जताया शोक

अभनपुर। अभनपुर क्षेत्र के ग्राम बिरोदा मे आदिवासी दंपत्ति की हुई निर्मम हत्या को लेकर पूर्व विधायक धनेन्द्र साहू ने उनके परिजन भाई व बेटियो से मुलाकात कर शोक संप्तित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त किया एवं हत्या की दोषी लोगो की गहन जांच करवाने का आश्वसन दिया। पूर्व विधायक धनेन्द्र साहू ने स्थानीय विश्राम गृह मे पत्रकारो से चर्चा करते कहा कि पुलिस प्रशासन के नाकामी की वजह से इस क्षेत्र मे अपराधियो के हौसले बुलंद है आये दिन हत्या,चोरी व चाकूबाजी की घटनाये हो रही है पुलिस का कोई नियंत्रण नही रह गया है, आम आदमी अपने आप को असुरक्षित महसूस करने लगा है,नशाखोरी चरम सीमा पर पहुंच चुकी है बिरोदा मे सीधे साधे आदिवासी परिवार की हत्या से गांव भर मे असुरक्षा का माहौल देखा गया है।

थोक सब्जी मंडी के नीलामी समय में किया गया बदलाव

तिल्दा नेवरा। तिल्दा नेवरा थोक सब्जी मंडी एसोशिएशन के गठन के बाद नीलामी के समय में हुआ परिवर्तन। तिल्दा नेवरा के थोक सब्जी मंडी में एसोशिएशन का गठन किया गया। जिसमें युवाओं को वर्तमान कार्यभार सौंपा गया है। पूर्व अध्यक्ष प्रताप राय गिलानी को संरक्षक बनाया गया है, कृपा राम पटेल को भी संरक्षक बनाया गया, वहीं अध्यक्ष पद पर दिलीप उर्फ बिल्लू गिलानी, सचिव संजय गिलानी, उपाध्यक्ष आयुष रोहरा को बनाया गया है। नए पदाधिकारियों के गठन के बाद अब सब्जी नीलामी के समय में भी बदलाव किया गया है। अब सब्जी नीलामी सुबह 8.30 बजे से 12.30 बजे तक ही किया जा रहा है। नीलामी का यह समय लागू हो चुका है। सभी थोक सब्जी व्यापारियों ने इसकी सराहना भी की है।

पेज 11 के शेष...

रायपुर को चौथा...

0 सरोना ट्रेंचिंग ग्राउंड से हटा रहे कचरे का ढेर

डेढ़ दशक से शहरभर का कूड़ा सरोना में 450 लाख मीट्रिक टन के रूप में कचरे के ढेर में दबा पड़ा था। इससे खारुन नदी दूषित होने और पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव तय था। इसके निष्पादन के लिए 13 करोड़ का ठेका देकर कचरे के वैज्ञानिक निष्पादन का काम कराया जा रहा है। स्वच्छता रैंकिंग में इस पर अंक मिले हैं।

नाले की गंदगी रोकने एसटीपी, उपचारित पानी का उपयोग भी : राजधानी सहित इससे लगे 17 बड़े नाले-नालियों का गंदा पानी सीधे खारुन नदी में गिरता था, पर इस गंदे पानी को उपचारित कर दोबारा उपयोग लायक बनाने नगर निगम कारा, निमोरा और चंदनीडीह में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित कर गंदे पानी को फिल्टर करने का काम कर रहा है। यही नहीं, उपचारित पानी का उपयोग उद्योगों को बेचकर राजस्व प्राप्त करने निगम सफल रहा है।

कम हो रहे मुक्कड़ :

शहर में पहले 50 स्थानों पर खुले में कचरा डालने मुक्कड़ हुआ करते थे। इससे बदबू और गंदगी फैलने का खतरा बना रहता था। जिन्हें बंद कराने स्वच्छ भारत मिशन के तहत नगरनिगम ने जोन स्तर पर जन सहभागिता से काम शुरू किया, इसमें काफी हद तक सफलता मिली है। शहर के कुछ इलाकों में मुक्कड़ बंद भी हुए, लेकिन पूरी तरह शहर को मुक्कड़ मुक्त करने की मुहिम आगे भी जारी रखना होगा।

खुले में शौच खत्म करना बड़ी चुनौती : शहर के रेलवे पटरी किनारे, स्लम बस्ती सहित आउटर के इलाकों में खुले में शौच की समस्या निगम के लिए बड़ी चुनौती रही। इसे दूर करने निगम के अधिकारी व कर्मचारियों की डयूटी लगाकर लोगों को सार्वजनिक शौचालय का उपयोग करने और घर-घर शौचालय बनवाने जागरूक करना पड़ा। इस कार्य में शुरुआत में काफी दिक्कतें आई, पर जनसहयोग से इसमें सफलता हासिल हुई। रायपुर शहर अब पूरी तरह खुले में शौच मुक्त है। इसीलिए इस बार भी इसे स्वच्छता सर्वे में डबल ओडीएफ प्लस अंक मिला है।

धूल मुक्त शहर के...

मिली है। नए वर्ष से इस रोड स्वीपिंग मशीन की संख्या और सफाई का दायरा बढ़ाया गया है। इसका फायदा स्वच्छता रैंकिंग में रायपुर नगर निगम को इस बार भी मिला है।

बिजली दरों में वृद्धि के खिलाफ कांग्रेस ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

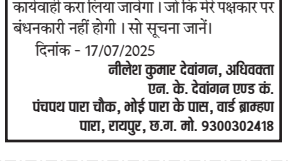

अभनपुर। कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियो द्वारा बिजली दर मे की गई बढ़ोत्तरी को वापिस लिये जाने के संबंध मे बिजली विभाग अभनपुर के जूनियर अभियंता को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौपा गया। जिला पंचायत सदस्य यशवंत साहू ,नगर पालिका अध्यक्ष उत्रसेन गहिरवारे, उपाध्यक्ष बलविंदर गांधी, पार्षद रानू राठी, नीलकमल गिलहरे, सुशील शर्मा आदि नेताओ ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाते कहा कि भाजपा की सरकार बनने के बाद चौथी बार आमजनता की जेब मे डाका डालने के लिए बिजली की दरो मे वृद्धि की गई है। जिससे घरेलू उपभोक्ताओ को 10 से 20 पैसे यूनिट एवं कमिर्शियल मे 25 पैसे प्रति यूनिट एवं कृषि मे भी 50 पैसे यूनिट की बढ़ोत्तरी की गई है।

नपा के राजस्व निरीक्षक पर हमला, मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ चंदखुरी

दिर हसौद नगर पालिका में उस वक्त हड़कंप मच गया जब संदीप जोशी के द्वारा सोमवार के दिन नगर पालिका मंदिर हसौद के राजस्व निरीक्षक टेसमलाल गिलहरे पर जानलेवा हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि संदीप जोशी ने इलेक्ट्रिक सामनों के निविदा राशि भुगतान को लेकर पहले राजस्व निरीक्षक टेसमलाल गिलहरे को अश्लील गाली गलौच करते हुए कार्यालय में कुर्सी से चढ़कर डेस्क में रखे कंप्यूटर एवं फाइलों को फाड़कर पिटाई कर दिए। इतना ही नहीं संदीप जोशी ने शासकीय कार्य में बाधा डालते हुए राजस्व निरीक्षक को जान से मारने की धमकी देते हुए कील लगे लकड़ी के बत्ते से और कांच के ग्लास से भी प्राणघातक हमला कर दिया। राजस्व निरीक्षक टेसमलाल गिलहरे को चोटें भी आई है। पीड़ति राजस्व निरीक्षक टेसमलाल गिलहरे ने बताया कि आरोपी संदीप जोशी ने इलेक्ट्रिक सामनों के निविदा राशि भुगतान को लेकर पूर्व में भी कई बार फोन पर अभद्रता भी किये है। इसी का नतीजा है कि आरोपी संदीप जोशी ने प्राणघातक हमला कर दिया। वहीं पीड़ति राजस्व निरीक्षक टेसमलाल गिलहरे ने इस घटना को लेकर थाना मंदिर हसौद पुलिस में शिकायत कर आरोपी संदीप जोशी की गिरफ्तारी की मांग किये है। पीड़ति के शिकायत पर मंदिर हसौद पुलिस ने आरोपी संदीप जोशी के खिलाफ 115(2),121(1),132, 221, 296, 324(4), 351(2) बीएनएस की धाराओं में अपराध दर्ज कर लिया है। बताया जा रहा है कि इस घटना के बाद एफआईआर दर्ज न कराने के लिए पिड़ित राजस्व निरीक्षक पर दबाव बनाया गया। पीड़ित के न मानने पर जबरदस्ती राजनीतिक प्रभाव से काउंटर रिपोर्ट दर्ज कराने का अनुचित दबाव भी डाला गया। वहीं आरोपी के खिलाफ गैर-जमानतीय धाराओं में अपराध दर्ज होने के बावजूद राजनीतिक प्रभाव और संरक्षण के चलते आरोपी की अब तक गिरफ्तार नहीं की गयी है। गौरतलब है हाल ही में हुए निकाय चुनाव में भाजपा ने मंदिर हसौद नगर पालिका के अध्यक्ष पद के लिए संदीप जोशी को अपना प्रत्याशी भी बनाया था।

- एफआईआर दर्ज न कराने के लिए पीड़ित राजस्व निरीक्षक पर दबाव

:: आम सूचना ::

सर्व साधारण को इस आम सूचना के द्वारा सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार सुरेश धीवर पिता श्री सुकालूराम धीवर निवासी ग्राम बोरियाखुर्द रायपुर तहसील व जिला रायपुर ने विक्रेता 1)- भोजराम पिता बिषेसर उत्तम कुमार गिरजाबाई पिता भोजराम साहू, 2)- त्रिलोचन हरेलिया उर्फ अहिल्या पिता रामाधीन साहू, 3)- भुवन लीलाराम प्रहलाद पिता डेरहा राम साहू, 4)- राधा बाई पिता जती साहू केजी बेवा रामजी ताराचंद खेलन लाल पुरूषोत्तम दामिनी पिता स्वर्गीय राम जी साहू निवासी ग्राम कान्दुल तहसील व जिला रायपुर के भू-स्वामी, हक, आधिपत्य की भूमि वाके मौजा ग्राम मुजगहन, प.ह.नं. 00082, रा.नि.मं. रायपुर-18-कान्दुल, तह. व जिला-रायपुर (छ.ग.) में स्थित है जिसका खसरा नं. 29/3 रकबा 0.2030 हे. भूमि धारित की जाती है जिसे क्रय करने का पक्का सौदा कर टोकन बयाना दिया चुका है, बैनामा पंजीयन किया जाना शेष है।

अतः इस अंतरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति, संस्था, निगम बैंक, शासकीय अर्धशासकीय निकाय आदि को उपरोक्त संपत्ति के स्वत्व एवं आधिपत्य के संबंध में कोई आपत्ति, उजर, दावा करना हो तो इस आम सूचना के प्रकाशन दिनांक से 07 दिवस के भीतर मेरे कार्यालय में मय सुसंगत दस्तावेज सहित आपत्ति प्रस्तुत करें, म्याद तिथि पश्चात किया गया आपत्ति शून्य माना जावेगा तथा मेरे पक्षकार अपने पक्ष में बैनामा पंजीयन करने हेतु स्वतंत्र होंगे।

सो सूचना जाने इस पर आवश्यक रूप से अमल करें।

स्थान- रायपुर (छ.ग.)
दिनांक-17/07/2025

सुखसेन सिंह चंदेल
(अधिवक्ता)
सांई डायग्नोस्टिक के पास, कृष्णा नगर, रायपुर (छ.ग.) मो. नं. 9425519873

:: आम सूचना ::

एतद् द्वारा सर्वसाधारण व आम आदमी को सूचित किया जाता है, कि मेरे पक्षकार ने विक्रेतागण श्री महेश कुमार जेठानी पिता- श्री पोहूमल जेठानी, स्व.यशोदा जेठानी पति-श्री पोहूमल जेठानी एवं स्व. लाजवंतीन जेठानी पति श्री सामनदास जेठानी, श्री अनिलकुमार जेठानी पिता श्री सामनदास जेठानी, सभी के निवासी पता- मंगड़ापारा, तहसील व जिला - रायपुर, छत्तीसगढ़ के हक, अधिपत्य व स्वामित्व की कृषि भूमि, जो कि वाके मौजा ग्राम-उरला, प.ह.न. 00029, रा.नि.मं.: रायपुर - 21 - रावांभाठा, तहसील रायपुर, जिला-रायपुर छ.ग. में स्थित भूमि जिसका खसरा नं. 636/8/घ, रकबा 0.2660 हेक्टेयर एवं खसरा नं. 636/8/ख, रकबा 0.2660 हेक्टेयर इस प्रकार कुल दोनों खसरे का कुल रकबा 0.5320 हेक्टेयर, निजी भूमि को क्रय करने का पक्का सौदा कर ब्यानां की राशि प्रदान कर करार नामा निष्पादित किया जा चुका है, व बकाया प्रतिफल अदायगी उपरांत बैनामा पंजीयन कराया जाना शेष है । उपरोक्त वर्णित संपत्ति के संबंध मे कोई भी व्यक्ति कोई परिवारिक सदस्य, किसी संस्था (शासकीय, अर्द्धशासकीय, वित्तीय निकाय) फर्म, समूह, कंपनी, ट्रस्ट या अन्य किसी को विक्रय करने के संबंध मे कोई दावा आपत्ति हो तो 07 दिनों के अंदर मय दस्तावेज सहित मेरे कार्यालय मे उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत करें । समयावधि पश्चात की गयी दावा आपत्ति मान्य नहीं होगी एवं मेरे पक्षकार के द्वारा अपने पक्ष में विक्रय पंजीयन की कार्यवाही करा लिया जावेगा । जो कि मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी । सो सूचना जानें।

दिनांक - 17/07/2025

नीलेश कुमार देवांगन, अधिवक्ता
एन. के. देवांगन एण्ड कं.
पंचपथ पारा चौक, भोई पारा के पास, वार्ड ब्राम्हण पारा, रायपुर, छ.ग. मो. 9300302418

HEALTH TOWN

आयुर्वेद संजीवनी क्लीनिक
सेक्स, नामर्द, नपुंसकता, स्वप्न दोष, शीघ्रपतन, वैवाहिक जीवन की कमजोरी, आयुर्वेदिक दवा द्वारा शर्तिया इलाज, दवा की पहली खुराक से असर शुरु
त्वचा रोग, चर्म रोग, खाज-खुजली का आयुर्वेदिक इलाज | बवासीर, भगंदर का शर्तिया इलाज किया जाता है
डॉ. संजीव नवजीवन गृह निर्माण सहकारी समिति मर्या. गेट, धमतरी रोड, पचपेड़ी नाका, रायपुर 9770705718

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल 24/7 Emergency Services
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
रखें आपके सेहत का ख्याल ओपीडी 50% Off
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

रामकथा
आंख एवम् कान नाक गला अस्पताल
डॉ. संतोष जायसवाल
एम.बी.बी.एस., एम.एस.
(कान, नाक, गला रोग विशेषज्ञ)
मो. 70891-60782
कान से मवाद एवं परदे में छिद्र का दूरबीन पद्धति द्वारा ऑपरेशन
बैंक ऑफ़ बड़ौदा के सामने कर्मा धाम मंदिर गली बोरिया रोड संतोषी नगर रायपुर, फोन 0771-4001080

मेल इंफर्टीलिटी
शीघ्रपतन, लिंग में तनाव की कमी वीर्य की कमी, वेरीकोसील फायमोसिस का ईलाज मेडिसीन शॉक वेव थैरेपी पी शॉट एवं सर्जरी द्वारा
डॉ. वैभव राज सिंह
एमबीबीएस एम.एस.- लेज़र व दूरबीन सर्जन
(MBBS, MS Surgery)
Laporoscopic Laser Surgeon
Call 9890716410
लेजर पाईल्स क्योर
पाल्स, पिशर, फिस्टुला, वेरीकोस वेन्स, पाईलोनाईडल साइनस का लेजर द्वारा सर्जरी, 24 घंटे में छुट्टी, बिना चीरा सभी दूरबीन व लेजर सर्जरी
श्री राम शांति मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल दही हाण्डी मैदान के सामने, श्रीनगर, गुढ़ियारी, रायपुर
विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

नए सिस्टम के सर्वर ने बढ़ाई परेशानी, शाम 4 के बाद बढ़ रही स्पीड, इसलिए रात 9 बजे तक खुल रहा दफ्तर

अलग खबर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पंजीयन विभाग के नया ऑनलाइन सिस्टम का सर्वर एक बार फिर विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों सहित रजिस्ट्री कराने वालों की परेशानी का सबब बन गया है। 14 से 16 जुलाई तीन दिनों तक सुबह 10 से शाम 4 बजे तक सर्वर की स्पीड इतनी कम रहती है कि लोगों को रजिस्ट्री कराने के लिए देर शाम से लेकर रात 9 बजे तक पंजीयन कार्यालय में बैठना पड़ रहा है। वहीं कई लोग रजिस्ट्री कराए बगैर भी बैरंग लौट रहे हैं। चौथे दिन भी कुछ घंटे सर्वर की समस्या बनी रही, जिससे लोगों को परेशानी हुई। इधर विभागीय अधिकारियों का कहना है कि जितने लोग अपॉइंटमेंट ले रहे हैं, उनकी रजिस्ट्री हो रही हैं। ऐसे कुछ लोग हो सकते हैं जो दस्तावेज की कमी या अन्य किसी कारण से रजिस्ट्री कराए बगैर लौटे होंगे।

चौथे दिन कुछेक घंटे डाउन रहा सर्वर

सर्वर अब ठीक से कर रहा काम

सर्वर की समस्या पिछले कुछ दिनों से है, लेकिन रजिस्ट्रियां हो रही हैं। सर्वर में सुधार आया है, इसलिए गुरुवार को ज्यादा परेशानी नहीं आई।

- विनोच कोचे, पंजीयक, रायपुर

नया सिस्टम लागू किए जाने के बाद बढ़ी दिक्कत

राजधानी रायपुर सहित प्रदेश के कई पंजीयन कार्यालयों में नए सिस्टम के तहत रजिस्ट्री हो रही है। या यूं कहें कि पंजीयन कार्यालयों को पेपरलेस करने की कवायद अब विभाग के लिए सिरदर्द बन रही है। रायपुर पंजीयन कार्यालय में चार दिनों से सर्वर डाउन है। यह सर्वर सुबह से शाम तक डाउन रहा, जिसके कारण ड्यूटी टाइम के बाद भी पंजीयन कार्यालय में रात करीब 9 बजे तक रजिस्ट्रियां हो रही हैं। सर्वर की समस्या सबसे ज्यादा सुबह 11 से शाम 4 बजे तक बनी रहती है। इस दौरान रजिस्ट्री कराने पहुंचने वाले लोगों के लाइव फोटो तो अपलोड हो रहे हैं, लेकिन फीस का भुगतान नहीं हो पा रहा है। इस कारण लोगों को सर्वर ठीक होने का घंटों इंतजार करना पड़ रहा है।

हर दिन कई लोग बैरंग लौट रहे

सर्वर डाउन की समस्या के कारण ऑनलाइन अपॉइंटमेंट लेने के बाद भी कई लोगों को रजिस्ट्री कराए बगैर लौटना पड़ रहा है। ऐसे लोगों को अब रजिस्ट्री करानी है, तो उन्हें दोबारा अपॉइंटमेंट लेना पड़ेगा। इधर सर्वर डाउन के कारण ऑनलाइन अपॉइंटमेंट भी लोग नहीं ले पा रहे हैं। सर्वर समस्या के कारण दस्तावेज अपलोड नहीं हो पा रहे हैं। इस कारण कई लोग अपनी राशि के अनुसार शुभ मुहूर्त के दिन भी रजिस्ट्री नहीं करा पा रहे हैं।

खबर संक्षेप

शिवसेना नेत्री ज्योति समर्थकों के साथ कांग्रेस में शामिल

रायपुर। राजधानी की महिला नेत्री ज्योति सिंह शिवसेना छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो गई। जहां उन्हें भारतीय राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली है। ज्योति सिंह अपने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के समक्ष कांग्रेस में प्रवेश लिया। इस दौरान कांग्रेस पार्टी द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं के साथ शपथ ली कि वे मजदूर कांग्रेस एवं कांग्रेस के लिए लगातार कार्य करेंगी एवं महिलाओं के हित के लिए हमेशा आगे रहेंगी।

अशोक नगर में कवि सम्मेलन 20 को

रायपुर। अशोक नगर स्थित वायुवीर हनुमान मंदिर समिति द्वारा आयोजित 30 दिवसीय शिव महापुराण एवं 1,11,000 पार्थिव शिवलिंग रुद्राभिषेक के पावन अवसर पर 20 जुलाई को रात्रि 8 बजे से एक भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में पं. अभिषेक मिश्रा कथा वाचन करेंगे। इस कवि सम्मेलन में देश के ख्यातिनाम कवियों की उपस्थिति रहेगी, जिनमें प्रमुख रूप से यशवंत यादव, मन्नू लाल यदु, इंद्रदेव यदु, रिकी बिंवास, शिव साहू, उत्तम देवहरे, सुषमा पटेल एवं राजू छत्तीसगढ़िया शामिल हैं। यह आयोजन न केवल साहित्य प्रेमियों को एक मंच प्रदान करेगा बल्कि धार्मिक वातावरण को भी समृद्ध करेगा।

नीलम को पीएचडी

रायपुर। श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय ने नीलम साहू को पीएचडी की उपाधि प्रदान की है। उनका शोध का विषय उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के आधार पर उनकी अभिवृत्ति स्तर, आकांक्षा स्तर एवं शैक्षिक समस्याओं का अध्ययन था। उन्होंने अपना शोधकार्य शिक्षा विभाग के सहायक अध्यापक डॉ. सुरंजन कुमार के मार्गदर्शन पूरा किया। वे वर्तमान में जानकी नगर बोरियाखुर्द की निवासी है।

मीटर से छेड़छाड़ कर बिजली चोरी, अपराध दर्ज

रायपुर। कोतवाली थाना में सीएसपीडीसीएल की सतर्कता टीम ने मीटर से छेड़छाड़ कर बिजली चोरी करने के आरोप में एक विद्युत उपभोक्ता के खिलाफ चोरी की शिकायत दर्ज कराई है।

निधन

शांति बाई देवांगन

रायपुर। राधास्वामी नगर निवासी शांति बाई देवांगन (85) का 16 जुलाई को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 17 जुलाई को मारवाड़ी श्मशानघाट में किया गया। वे पूरनलाल देवांगन और भोलाराम देवांगन की माता थीं।

लगातार एक्सीडेंट के बाद भी जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहे

बारिश बनी जी का जंजाल, हाईवे पर कहीं सड़क उखड़ी तो किसी जगह मेंटेनेंस नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी के प्रमुख हाईवे मुंबई हावड़ा, जगदलपुर मार्ग को छोड़ बिलासपुर मार्ग का फोर लेन के रूप में उन्नयन होने के बाद भी सड़कों की दशा नहीं सुधरी है। धनेली से बिलासपुर जाने के लिए जोड़ने के मार्ग में हाल के दिनों में जो डामरीकरण किया गया था, वह पूरी तरह से उखड़ गया है। इसके कारण इस मार्ग में जाम लगने के साथ ही एक्सीडेंट का खतरा बना रहता है। कुछ इसी तरह की स्थिति रायपुर-बलौदाबाजार मार्ग की है। विधानसभा से आगे मार्ग की हालत काफी जर्जर हो चुकी है। बावजूद इसके इस मार्ग का रखरखाव नहीं हो रहा है।

■ दो माह पूर्व खरोरा थाना क्षेत्र में भीषण सड़क हादसा में 14 लोगों की मौत हो चुकी है

दो माह पूर्व मई में रायपुर-बलौदाबाजार मार्ग में भीषण सड़क हादसा में 14 लोगों की मौतें हुई थीं। एक्सीडेंट की वजह रोड शोल्डर का व्यवस्थित नहीं होना था। इसके चलते ट्रेलर तथा हाईवा की भिड़ंत हुई थी। घटना के बाद मौके पर आई-रेड की टीम के साथ जिम्मेदार अफसरों ने घटना स्थल का निरीक्षण किया। बावजूद घटना के दो माह बीत जाने के बाद भी रोड के साथ रोड शोल्डर में अब तक सुधार कार्य नहीं किया गया है।

इन तीन मार्गों में पांच महीने में 70 से ज्यादा मौतें

विधानसभा, धरसींवा तथा खरोरा थाना क्षेत्र में ब्लैक स्पॉट तथा सड़क खराब होने की वजह से जनवरी से जून के बीच छह माह के भीतर 70 लोगों की मौतें हो चुकी हैं। ऐसे में बारिश के दिनों में एक्सीडेंट का खतरा पहले की तुलना में बढ़ गया है। सड़क हादसे में सबसे ज्यादा मौतें खरोरा थाना क्षेत्र में हुई हैं। इस मार्ग में रोड एक्सीडेंट में पांच माह के भीतर 30 से ज्यादा मौतें हुई हैं।

बारिश के कारण खतरा बढ़ा

हाल के दिनों में राजधानी सहित पूरे प्रदेश में झमाझम मानसूनी बारिश हुई है। इससे शहर से लेकर हाईवे की सड़कों का डामर उखड़ गया है। साथ ही रोड शोल्डर की मिट्टी बह गई है। इस वजह से रोड शोल्डर तथा सड़क में बड़ा गैप बन गया है और रोड शोल्डर के नीचे गड्ढे में जलभराव हो गया है। इससे एक्सीडेंट का खतरा पहले से ज्यादा बढ़ गया है।

नोटिफिकेशन जारी होने के बाद ध्यान नहीं

रायपुर-बलौदाबादार मार्ग को फोरलेन बनाने नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। बलौदाबाजार जिले में सड़क से सटे गांवों में जमीन-खरीदी बिक्री पर आगामी आदेश तक रोक लगा दी गई है। बारिश थमने के बाद फोरलेन का काम किया जाएगा। इस वजह से भी रायपुर-बलौदाबाजार मार्ग में सड़कों के रखरखाव के लिए जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहे हैं।

एक्सीडेंट की बड़ी वजह रोड शोल्डर

रायपुर से बलौदाबाजार मार्ग डबल लेन है, किसी जगह यह मार्ग सिंगल लेन है। इस मार्ग में भारी वाहन के चालक रोड शोल्डर ठीक नहीं होने की वजह से अपने वाहन को सड़क से नीचे नहीं उतारते। रोड किनारे के शोल्डर में तीन से चार इंच का गैप रहता है। इसके कारण भारी वाहन के चालक अपनी गाड़ी सड़क से नीचे नहीं उतारते। इसके अलावा छोटी गाड़ी वाले भी गाड़ी पलटने के डर से अपनी गाड़ी सड़क से नीचे नहीं उतारते। इस वजह से इस मार्ग पर एक्सीडेंट की घटनाएं ज्यादा होती हैं। इस मार्ग पर हर माह औसतन रोड एक्सीडेंट में आठ से दस लोगों की मौतें होती हैं।

पहली बार परीक्षा दिलाने 2 घंटे पहले पहुंचेंगे अभ्यर्थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

व्यापम की परीक्षाओं के लिए लागू किए गए नए नियमों के उपरांत पहली परीक्षा 20 जुलाई को होगी। नए नियमों संग आयोजित हो रही इस परीक्षा के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों को दिशा-निर्देश दिए गए। गुरुवार को हुई बैठक में कलेक्टर डॉ.गौरव सिंह ने परीक्षा की समुचित तैयारी सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, परीक्षा संचालन और अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए मूलभूत आवश्यकताओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा है। अपर कलेक्टर नवीन ठाकुर को नोडल एवं रोजगार अधिकारी केदारनाथ पटेल को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। व्यापम द्वारा परीक्षा केंद्रों पर कड़े दिशा-निर्देश लागू किए गए हैं, ताकि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या अनियमितता से बचा जा सके।

रायपुर जिले में 18 केंद्र

20 जुलाई को जल संसाधन विभाग के अंतर्गत उप अभियंता सिविल एवं विद्युत-यांत्रिकी भर्ती परीक्षा आयोजित की जा रही है। जिले में 18 केंद्रों पर परीक्षा आयोजित होगी। प्रातः 9.45 को मुख्य द्वार बंद कर दिया जाएगा। परीक्षार्थियों को परीक्षा प्रारंभ होने के कम से कम 2 घंटा पूर्व परीक्षा केन्द्र में पहुंचने कहा गया है ताकि उनकी जांच एवं पहचान पत्र का सत्यापन किया जा सके। व्यापम की यह पहली परीक्षा होगी, जिसमें अभ्यर्थियों को दो घंटे पूर्व पहुंचना होगा। आधी बांह वाले कपड़ों और स्लीपर में केंद्र पहुंचने निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा धार्मिक या सांस्कृतिक पोशाक वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा केन्द्र पर सामान्य समय से पहले रिपोर्ट करने कहा गया है, क्योंकि उन्हें अतिरिक्त सुरक्षा जांच से गुजरना पड़ेगा।

सड़कों से आवारा मवेशियों की धरपकड़, गोठान भेजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नगर निगम ने राजधानी के चौराहों, बाजार क्षेत्रों में सड़क यातायात बाधित कर रहे मवेशियों की धरपकड़ का अभियान शुरू कर दिया है। गुरुवार को काउकेचर की सहायता से पुलिस लाइन, लिली चौक, आमापारा चौक, बैरनबाजार और अमलीडीह इलाके से सड़क पर घूम रहे मवेशियों को पकड़कर काउकेचर से गोठान भेजा।

■ पुलिस लाइन, लिली चौक, आमापारा चौक पर निगम ने चलाया अभियान

महापौर मीनल चौबे और निगम आयुक्त के निर्देश पर नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग ने अलग-अलग जोन के माध्यम से शहर की सड़कों पर आवारा मवेशियों की धरपकड़ का अभियान चलाया है। जोन 4 की टीम ने 7 आवारा पशुओं को पकड़कर गोठान भेजा। इसी तरह पुलिस लाइन क्षेत्र से 2, पुरानी बस्ती के लिली चौक से 2 मवेशी और बूढ़ापारा, आमापारा से 1-1 आवारा मवेशी को काउकेचर की सहायता से पकड़कर गोठान भेजा। जोन 10 की टीम ने तेलीबांधा चौक की सड़क पर 10 मवेशियों की धरपकड़ कर सड़क यातायात में आ रही बाधा दूर की।

छत्तीसगढ़ अंजोर विजन 2047 को पूरा करने में चैंबर सरकार के साथ : थौरानी

रायपुर। गुजरात के बाद छत्तीसगढ़ में विजन डाक्यूमेंट बनाने की पहल का चैंबर ने स्वागत किया है। छत्तीसगढ़ चैंबर आफ कामर्स के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प को पूरा करने के लिए देश को अमृत काल में विकसित राष्ट्र बनाने के लिए तेजी से कार्य हो रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, नीति आयोग भारत सरकार के उपाध्यक्ष सुमन के बेरी, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, वित्त मंत्री ओपी चौधरी की मौजूदगी में छत्तीसगढ़ अंजोर विजन 204 के विमोचन हुआ। इस अवसर चैंबर अध्यक्ष सतीश थौरानी ने ये बात कही। चैबर अध्यक्ष सतीश थौरानी जी के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल कोषाध्यक्ष निकेश बरडिया, रल मोदी जी, राधाकिशन सुंदरानी, राजेश वासवानी ने इस मौके पर डाक्यूमेंट्स का स्वागत किया है। प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश को विकसित छत्तीसगढ़ बनाने के लिए संजीवनी कहते हुए नव युग का प्रारंभ बताया है। सतीश थौरानी ने कहा, देश में गुजरात के बाद छत्तीसगढ़ दूसरा राज्य है जिन्होंने विजन डॉक्यूमेंट बनाया है।

कार बुक कराने के नाम पर 80 हजार की ठगी

रायपुर। गंज थाना में एक युवक ने ट्रैवल के लिए कार बुक करने का झांसा देकर अज्ञात के खिलाफ 80 हजार रुपए ठगी करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। देवेंद्र नगर निवासी अतुल पाल ने ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। अतुल ने पुलिस को बताया कि उसने यात्रा करने गूगल सर्च इंजन से कृष्णा कार रेंटल सर्विस का नंबर हासिल कर कॉल किया तो कॉल रिसीव करने वाले ने अतुल को कार उपलब्ध कराने का झांसा दिया।

पेज 11 के शेष

रायपुर को चौथा...

सरोना ट्रेंचिंग ग्राउंड से हटा रहे कचरे का ढेर -डेढ़ दशक से शहरभर का कूड़ा सरोना में 450 लाख मीट्रिक टन के रूप में कचरे के ढेर में दबा पड़ा था। इससे खारुन नदी दूषित होने और पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव तय था। इसके निष्पादन के लिए 13 करोड़ का ठेका देकर कचरे के वैज्ञानिक निष्पादन का काम कराया जा रहा है। स्वच्छता रैंकिंग में इस पर अंक मिले हैं।

नाले की गंदगी रोकने एसटीपी, उपचारित पानी का उपयोग भी- राजधानी सहित इससे लगे 17 बड़े नाले-नालियों का गंदा पानी सीधे खारुन नदी में गिरता था, पर इस गंदे पानी को उपचारित कर दोबारा उपयोग लायक बनाने नगर निगम कारा, निमोरा और चंदनीडीह में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित कर गंदे पानी को फिल्टर करने का काम कर रहा है। यही नहीं, उपचारित पानी का उपयोग उद्योगों को बेचकर राजस्व प्राप्त करने निगम सफल रहा है।

कम हो रहे मुक्कड़- शहर में पहले 50 स्थानों पर खुले में कचरा डालने मुक्कड़ हुआ करते थे। इससे बदबू और गंदगी फैलने का खतरा बना रहता था। जिन्हें बंद कराने स्वच्छ भारत मिशन के तहत नगरनिगम ने जोन स्तर पर जन सहभागिता से काम शुरू किया, इसमें काफी हद तक सफलता मिली है। शहर के कुछ इलाकों में मुक्कड़ बंद भी हुए, लेकिन पूरी तरह शहर को मुक्कड़ मुक्त करने की मुहिम आगे भी जारी रखना होगा।

खुले में शौच खत्म करना बड़ी चुनौती- शहर के रेलवे पटरी किनारे, स्लम बस्ती सहित आउटर के इलाकों में खुले में शौच की समस्या निगम के लिए बड़ी चुनौती रही। इसे दूर करने निगम के अधिकारी व कर्मचारियों की डयूटी लगाकर लोगों को सार्वजनिक शौचालय का उपयोग करने और घर-घर शौचालय बनवाने जागरूक करना पड़ा। इस कार्य में शुरुआत में काफी दिक्कतें आई, पर जनसहयोग से इसमें सफलता हासिल हुई। रायपुर शहर अब पूरी तरह खुले में शौच मुक्त है। इसीलिए इस बार भी इसे स्वच्छता सर्वे में डबल ओडीएफ प्लस अंक मिला है।

धूल मुक्त शहर के...

मिली है। नए वर्ष से इस रोड स्वीपिंग मशीन की संख्या और सफाई का दायरा बढ़ाया गया है। इसका फायदा स्वच्छता रैंकिंग में रायपुर नगर निगम को इस बार भी मिला है।

रायपुर रहा सर्वाधिक गर्म

दोपहर में पारा सामान्य से 4 डिग्री अधिक, शाम को बौछारें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

गुरुवार दोपहर तक गर्मी से बेहाल शहर शाम को तरबतर हो गया। कुछ देर बरसे बादलों ने शहरवासियों को उमस से बड़ी राहत दी।

मौसम विभाग का कहना है, अभी भारी बारिश के आसार नहीं हैं, फिलहाल हल्की से मध्यम बारिश ही होती रहेगी। मौसम विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के मुताबिक, शुक्रवार को रायपुर में आकाश मेघमय रहेगा। एक-दो बार रह-रहकर बारिश होती रहेगी। राजधानी के अलावा प्रदेश के अन्य स्थानों पर भी हल्की से मध्यम बारिश होगी, लेकिन कुछ जिलों के लिए यलो अलर्ट भी मौसम विभाग ने जारी किया। भारी वर्षा का क्षेत्र उत्तर पूर्व मध्य प्रदेश से लगे जिले संभावित हैं।

सरगुजा संभाग में सर्वाधिक बारिश

गुरुवार तक पिछले 24 घंटों में सरगुजा संभाग के अधिकतर जिलों में वर्षा दर्ज की गई। एक-दो स्थानों पर भारी से अति भारी श्रेणी में बारिश हुई। जनकपुर में 12 सेमी, पोंडी बचरा में 11 सेमी, कोटाडोल में 10 सेमी, सूरजपुर में 9 सेमी, केल्हारी में 8 सेमी, लटोरी, दौरा कोचली, कुसमी, बिहारपुर व पटना में 7 सेमी, सोनहत में 6 सेमी, मनेंद्रगढ़ में 5 सेमी तथा अन्य स्थानों में एक से 4 सेमी तक बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार, एक अवदाब दक्षिण-पूर्व उत्तरप्रदेश और उससे लगे उत्तर-पूर्व मध्यप्रदेश के ऊपर स्थित है। इसके पश्चिम उत्तर पश्चिम दिशा में आगे बढ़ने की संभावना है।

:: आम सूचना ::

सर्व साधारण को इस आम सूचना के द्वारा सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार सुरेश धीवर पिता श्री सुकालूराम धीवर निवासी ग्राम बोरियाखुर्द रायपुर तहसील व जिला रायपुर ने विक्रेता 1)- भोजराम पिता बिषेसर उत्तम कुमार गिरजाबाई पिता भोजराम साहू, 2)- त्रिलोचन हरेलिया उर्फ अहिल्या पिता रामाधीन साहू, 3)- भुवन लीलाराम प्रहलाद पिता डेरहा राम साहू, 4)- राधा बाई पिता जती साहू केजी बेवा रामजी ताराचंद खेलन लाल पुरूषोत्तम दामिनी पिता स्वर्गीय राम जी साहू निवासी ग्राम कान्दुल तहसील व जिला रायपुर के भू-स्वामी, हक, आधिपत्य की भूमि वाके मौजा ग्राम मुजगहन, प.ह.नं. 00082, रा.नि.मं. रायपुर-18-कान्दुल, तह. व जिला-रायपुर (छ.ग.) में स्थित है जिसका खसरा नं. 29/3 रकबा 0.2030 हे. भूमि धारित की जाती है जिसे क्रय करने का पक्का सौदा कर टोकन बयाना दिया चुका है, बैनामा पंजीयन किया जाना शेष है।

अतः इस अंतरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति, संस्था, निगम बैंक, शासकीय अर्धशासकीय निकाय आदि को उपरोक्त संपत्ति के स्वत्व एवं आधिपत्य के संबंध में कोई आपत्ति, उजर, दावा करना हो तो इस आम सूचना के प्रकाशन दिनांक से 07 दिवस के भीतर मेरे कार्यालय में मय सुसंगत दस्तावेज सहित आपत्ति प्रस्तुत करें, म्याद तिथि पश्चात किया गया आपत्ति शून्य माना जावेगा तथा मेरे पक्षकार अपने पक्ष में बैनामा पंजीयन करने हेतु स्वतंत्र होंगे।

सो सूचना जाने इस पर आवश्यक रूप से अमल करें।

स्थान- रायपुर (छ.ग.)
दिनांक-17/07/2025

सुखसेन सिंह चंदेल (अधिवक्ता)
सांई डायग्नोस्टिक के पास, कृष्णा नगर, रायपुर (छ.ग.) मो. नं. 9425519873

:: आम सूचना ::

एतद् द्वारा सर्वसाधारण व आम आदमी को सूचित किया जाता है, कि मेरे पक्षकार ने विक्रेतागण श्री महेश कुमार जेठानी पिता- श्री पोहूमल जेठानी, स्व.यशोदा जेठानी पति-श्री पोहूमल जेठानी एवं स्व. लाजवंतीन जेठानी पति श्री सामनदास जेठानी, श्री अनिलकुमार जेठानी पिता श्री सामनदास जेठानी, सभी के निवासी पता- मंगड़ापारा, तहसील व जिला - रायपुर, छत्तीसगढ़ के हक, अधिपत्य व स्वामित्व की कृषि भूमि, जो कि वाके मौजा ग्राम-उरला, प.ह.न. 00029, रा.नि.मं.: रायपुर - 21 - रावांभाठा, तहसील रायपुर, जिला-रायपुर छ.ग. में स्थित भूमि जिसका खसरा नं. 636/8/घ, रकबा 0.2660 हेक्टेयर एवं खसरा नं. 636/8/ख, रकबा 0.2660 हेक्टेयर इस प्रकार कुल दोनों खसरे का कुल रकबा 0.5320 हेक्टेयर, निजी भूमि को क्रय करने का पक्का सौदा कर ब्याना की राशि प्रदान कर करार नामा निष्पादित किया जा चुका है, व बकाया प्रतिफल अदायगी उपरांत बैनामा पंजीयन कराया जाना शेष है । उपरोक्त वर्णित संपत्ति के संबंध मे कोई भी व्यक्ति कोई परिवारिक सदस्य, किसी संस्था (शासकीय, अर्द्धशासकीय, वित्तीय निकाय) फर्म, समूह, कंपनी, ट्रस्ट या अन्य किसी को विक्रय करने के संबंध मे कोई दावा आपत्ति हो तो 07 दिनों के अंदर मय दस्तावेज सहित मेरे कार्यालय मे उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत करें । समयावधि पश्चात की गयी दावा आपत्ति मान्य नहीं होगी एवं मेरे पक्षकार के द्वारा अपने पक्ष में विक्रय पंजीयन की कार्यवाही करा लिया जावेगा । जो कि मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी । सो सूचना जानें।

दिनांक - 17/07/2025

नीलेश कुमार देवांगन, अधिवक्ता
एन. के. देवांगन एण्ड कं.
पंचपथ पारा चौक, भोई पारा के पास, वार्ड ब्राम्हण पारा, रायपुर, छ.ग. मो. 9300302418

HEALTH TOWN

आयुर्वेद संजीवनी क्लीनिक
सेक्स, नामर्द, नपुंसकता, स्वप्न दोष, शीघ्रपतन, वैवाहिक जीवन की कमजोरी, आयुर्वेदिक दवा द्वारा शर्तिया इलाज, दवा की पहली खुराक से असर शुरू
त्वचा रोग, चर्म रोग, खाज-खुजली का आयुर्वेदिक इलाज | बवासीर, भगंदर का शर्तिया इलाज किया जाता है
डॉ. संजीव नवजीवन गृह निर्माण सहकारी समिति मर्या. गेट, धमतरी रोड, पचपेड़ी नाका, रायपुर 9770705718

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल 24/7 Emergency Services
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
रखें आपके सेहत का ख्याल ओपीडी 50% Off
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953 एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

रामकथा आंख एवम् कान नाक गला अस्पताल
डॉ. संतोष जायसवाल एम.बी.बी.एस., एम.एस. (कान, नाक, गला रोग विशेषज्ञ) मो. 70891-60782
कान से मवाद एवं परदे में छिद्र का दूरबीन पद्धति द्वारा ऑपरेशन
बैंक ऑफ़ बड़ौदा के सामने कर्मा धाम मंदिर गली बोरिया रोड संतोषी नगर रायपुर, फोन 0771-4001080

मेल इंफर्टिलिटी
शीघ्रपतन, लिंग में तनाव की कमी वीर्य की कमी, वेरीकोसील फायमोसिस का ईलाज मेडिसीन शॉक वेव थैरेपी पी शॉट एवं सर्जरी द्वारा
डॉ. वैभव राज सिंह एमबीबीएस एम.एस.- लेज़र व दूरबीन सर्जन (MBBS, MS Surgery) Laporoscopic Laser Surgeon Call 9890716410
लेजर पाईल्स क्योर
पाल्स, फिशर, फिस्टुला, वेरीकोस वेन्स, पाईलोनाईडल साइनस का लेजर द्वारा सर्जरी, 24 घंटे में छुट्टी, बिना चीरा सभी दूरबीन व लेजर सर्जरी
श्री राम शांति मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल दही हाण्डी मैदान के सामने, श्रीनगर, गुढ़ियारी, रायपुर

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

कैंसर-थैलेसीमिया पीड़ितों के लिए लगाया शिविर

रायपुर। सांत्वना फाउंडेशन सोसाइटी द्वारा एचडीएफसी एर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी की ब्रांच ऑफिस में गुरुवार को विशाल रक्तदान एवं ओपीडी स्वास्थ्य शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बोर्नियो हॉस्पिटल, पचपेड़ीनाका और आरसी ब्लड बैंक, राजेंद्र नगर की टीमों ने अपना अमूल्य सहयोग प्रदान किया। शिविर में प्रमुख रूप से कैंसर और थैलेसीमिया से पीड़ित मरीजों के लिए रक्त एकत्र करने का लक्ष्य रखा गया था, ताकि उन्हें समय पर जीवनरक्षक रक्त उपलब्ध कराया जा सके।

निजी विश्वविद्यालयों की मनमानी फीस पर लगे लगाम

रायपुर। संजय सिंह ठाकुर ने राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि निजी विश्वविद्यालयों द्वारा चलाए जा रहे व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की फीस का निर्धारण प्रवेश एवं फीस नियामक समिति एएफआरसी के माध्यम से कराया जाए, जिससे निजी विवि में पढ़ रहे छात्र मनमानी फीस वसूली की समस्या से निजात पा सकें। श्री ठाकुर ने बताया कि प्रदेश में अभी 17 विश्वविद्यालय संचालित हैं, जिनमें इंजीनियरिंग, एग्रीकल्चर, बीएड, बीबीए, डी-फॉर्मा, बी-फॉर्मा, एम-फॉर्मा, एलएलबी, एलएलएम, योगा, पैरामेडिकल कोर्स, बीपीएड इत्यादि 20 से अधिक व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में हजारों छात्र अध्ययनरत हैं। ये सभी छात्र अत्यधिक फीस देने को मजबूर हैं।

कबाड़ से बने गैजेट से आसानी से होगी अब ट्रेन के ब्रेक की जांच, इससे कम होंगे हादसे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

दक्षिण दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के कोचिंग डिपो दुर्ग ने फेल्योर इंडिकेशन ब्रेक एप्लिकेशन डिवाइस तैयार किया है। इससे एलएचबी कोच में लगे ब्रेक सिस्टम की जांच आसान होने के साथ ही रेल यात्रा सुरक्षित और आरामदायक होगी। टेस्टिंग गैजेट का निर्माण कोचिंग डिपो के कर्मचारियों ने अनुपयोगी सामग्री व कबाड़ से तैयार किया है। इसकी लागत भी बेहद कम है।

यह डिवाइस पूरी तरह पोर्टेबल है। इसे पिट लाइन, आईओएच शेड, सिक लाइन, ओईएम लाइन जैसे किसी भी स्थान पर न्यूमैटिक सप्लाई के साथ आसानी से उपयोग किया जा सकता है। इसकी मदद से मात्र एक कर्मचारी भी फेल्योर इंडिकेशन ब्रेक एप्लिकेशन डिवाइस की जांच बेहद आसान तरीके से कर सकता है। यह तकनीकी नवाचार भारतीय रेलवे की आत्मनिर्भरता और नवाचार के विजन का सशक्त उदाहरण है, जिसका उद्देश्य स्थानीय स्तर पर तकनीकी समाधान विकसित कर सुरक्षित, आधुनिक व कुशल रेलवे प्रणाली की दिशा में प्रयास करना है।

रेलवे का नवाचार : दुर्ग कोचिंग डिपो ने बनाया 7 हजार रुपए का पोर्टेबल गैजेट

ये है एफआईबीए डिवाइस

फेल्योर इंडिकेशन ब्रेक एप्लिकेशन (एफआईबीए) डिवाइस आधुनिक एलएचबी कोच में लगाया जाता है। यह एक महत्वपूर्ण सुरक्षा उपकरण है। इसका मुख्य उद्देश्य ब्रेक सिस्टम में किसी भी असामान्यता की सूचना देना होता है, जिससे ट्रेन में सवार यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

पहले जांच में 2 से 3 कर्मचारियों को 1 से 2 घंटे लगते थे

पहले एफआईबीए डिवाइस की जांच में 2 से 3 कर्मचारी 1 से 2 घंटे का समय लेते थे। यह काफी परिश्रम और समय लेने वाला काम होता था। अब नए उपकरण से किसी भी डिफेक्टिव या ओवरहाल किए गए एफआईबीए डिवाइस की जांच बिना खोले आसानी से की जा सकेगी। फॉल्ट होने पर ही डिवाइस खोला जाएगा। पाइपिंग लेआउट में बिना किसी छेड़छाड़ के पूरे सिस्टम की जांच की जा सकेगी।

गैजेट बनाने में सिर्फ 7,000 रुपए खर्च

इस डिवाइस में प्रेशर वेसल (क्षमता 21 लीटर), तीन-पथ आईसोलेटिंग कॉक, ब्रेक इंडिकेटर, डुप्लेक्स चेक वाल्व व अन्य छोटे-बड़े बॉल वॉल्व, बीपी व एफपी प्रेशर गेज, स्टेनलेस स्टील पाइप समेत अन्य उपकरण जोड़े गए हैं, ताकि डिवाइस को अधिक समय तक उपयोग किया जा सके। इसे तैयार करने में सिर्फ 7,000 रुपए खर्च हुए हैं।

केंद्र सरकार का फरमान- अगस्त तक सभी दफ्तरों में लगाना जरूरी

डेढ़ साल में सरकारी दफ्तरों में लगे 40 हजार स्मार्ट मीटर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

प्रदेशभर के बिजली उपभोक्ताओं के मीटर को बदलकर स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। सबसे पहले सरकारी दफ्तरों में स्मार्ट मीटर लगाने का आगाज बीते साल फरवरी से किया गया था। करीब एक लाख तीस हजार सरकारी दफ्तरों में स्मार्ट मीटर लगने हैं, लेकिन करीब डेढ़ साल में महज 40 हजार मीटर लग सके हैं, वो भी केंद्र सरकार की कड़ाई के बाद, अन्यथा सवा साल में तो दस फीसदी दफ्तरों में भी नहीं लगे थे। अब अगस्त तक यानी डेढ़ माह में बचे 90 हजार मीटर हर हाल में लगाने हैं।

सरकारी दफ्तरों में स्मार्ट मीटर लगने की रफ्तार धीमी होने की जानकारी केंद्र सरकार को होने पर केंद्र सरकार के विद्युत मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने इस मामले में भारी नाराजगी जताई है और हर हाल में अगस्त तक सभी सरकारी दफ्तरों में स्मार्ट मीटर लगाने का फरमान जारी किया है। इधर केंद्र सरकार की नाराजगी को देखते हुए छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी ने इस साल के अंत तक सभी उपभोक्ताओं के स्मार्ट मीटर को भी बदलने का लक्ष्य तय किया है। अब तक सामान्य उपभोक्ताओं के 21 लाख मीटर बदले गए हैं। करीब 60 लाख स्मार्ट मीटर लगने हैं।

अब डेढ़ माह में 90 हजार लगाने की चुनौती

सवा साल में लगे थे दस फीसदी

प्रदेश में करीब 60 लाख स्मार्ट मीटर लगाए जाने हैं। इसके लिए टाटा और जीनस कंपनी को ठेका मिला है। 55 लाख से ज्यादा आम उपभोक्ताओं के मीटर लगने हैं। इसी के साथ दो लाख से ज्यादा ट्रांसफार्मरों में मीटर लगेंगे। इसी के साथ 129332 सरकारी दफ्तरों में में मीटर लगने हैं। सवा साल में महज दस फीसदी दफ्तरों में ही मीटर लग पाए थे। केंद्र सरकार की नाराजगी के बाद इसकी रफ्तार बढ़ाई गई है तो अब 40 हजार सरकारी दफ्तरों में मीटर लग गए हैं।

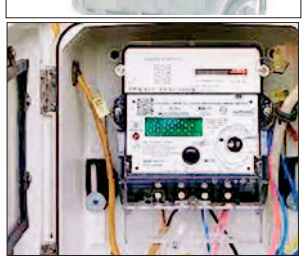

मीटर उपलब्ध न होने के कारण विलंब

पॉवर कंपनी के अधिकारी यह बता रहे हैं कि सरकारी दफ्तरों में थ्री फेज वाले अलग तरह के मीटर लगने हैं। ज्यादातर सरकारी दफ्तरों के कनेक्शन 15 किलो वॉट से ज्यादा के हैं। ऐसे में इन दफ्तरों में लगने वाले मीटर ठेका लेने वाली कंपनियों के पास उपलब्ध नहीं होने के कारण मीटर नहीं लग पा रहे थे, लेकिन अब मीटर लग रहे हैं। अब तो हर हाल में अगस्त तक सभी सरकारी दफ्तरों में मीटर लगाने का काम करना है।

सरकारी विभागों पर ढाई हजार करोड़ बकाया

बिजली बिल जमा करने के मामले में प्रदेश के सरकारी विभाग ही बेलगाम हैं। इन पर कितना भी बिल बकाया हो जाए, इनका कनेक्शन कट नहीं किया जाता है। लेकिन आम उपभोक्ता का थोड़ा सा बकाया होने पर पॉवर कंपनी के कर्मचारी कनेक्शन काटने पहुंच जाते हैं। हाल ही में 40 हजार से ज्यादा आम उपभोक्ताओं की बिजली कट की गई तो उपभोक्ताओं ने 25 करोड़ जमा किए। इधर पॉवर कंपनी हमेशा से सरकारी विभागों पर बकाया को लेकर परेशान रही है। छत्तीसगढ़ बनने के बाद कभी भी ऐसा नहीं हुआ है कि सरकारी विभागों पर बकाया पूरी तरह से समाप्त हो गया हो। इस समय भी सरकारी विभागों पर करीब ढाई हजार करोड़ बकाया है।

बोवाई फसलों को चर रहे आवारा मवेशी, किसानों की बढ़ी चिंता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मानसून की बारिश होने के बाद किसान भी कड़ी मेहनत कर दलहन-तिलहन, धान सहित अन्य फसलें लेने के लिए बोवाई के काम में जुटे हुए हैं। कई किसान बोवाई का काम पूर्ण कर चुके हैं, वहीं कई बोवाई कर रहे हैं। किसानों को पहले अच्छी फसल होगी या नहीं इसकी चिंता रहती थी, लेकिन अब उन्हें बोवाई सुरक्षित रहेगी या नहीं इसकी चिंता भी सताने लगी है। इस चिंता कारण आवारा मवेशी हैं। आवारा मवेशियों की संख्या इतनी ज्यादा बढ़ गई है कि अब खेती करने वाले किसानों को बोवाई की चिंता सताने लगी है, क्योंकि आवारा मवेशियां अब झुंड में किसानों के खेतों में प्रवेश कर बोवाई को ही चर जा रहे है। इसे देखते हुए किसान अब आवारा मवेशियों के लिए कांग्रेस शासन काल में लाई गई रोका-छेका व्यवस्था पुनः शुरू करने की मांग की जा रही है।

- रोका-छेका व्यवस्था शुरू करने उठने लगी मांग

आरंग क्षेत्र के कई ग्रामों में किसानों को रात में करना पड़ रहा जागरण

आरंग क्षेत्र के ग्राम नारा, भानसोज, संडी, डिघारी, खम्हरिया, पीपरहट्ठा, तोड़गांव, संकरी, अमेरी, कठिया, कुकरा, रींवा, सिवनी, गोंडी, लखौली, जरौद, खुटेरी सहित अन्य गांवों में आवारा मवेशियों की संख्या इतनी ज्यादा बढ़ चुकी हैं कि इन गांवों में धान, दलहन-तिलहन, तिवरी, मटर, सरसो, राहेर, मसूर सहित अन्य फसलों के लिए बोवाई करने वाले किसानों को अपनी फसलों की अभी से चिंता सताने लगी है। इन गांवों के सरपंचों का कहना है कि उनके ग्रामों में आवारा मवेशियों की संख्या इतनी ज्यादा हो गई है, उनके खेतों में झुंड में प्रवेश कर बोवाई फसल को चर रहे हैं। इसके लिए अब उन्हें रात में भी जागरण कर फसलों की सुरक्षा करनी पड़ रही है।

किसानों ने की बैठक, रोका-छेका व्यवस्था शुरू करने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

किसानों की चिंता को देखते हुए इन सभी ग्रामों के सरपंचों की उपस्थिति में किसानों की दो दिन पहले ग्राम नारा में बैठक रखी गई थी। इस बैठक में जिला पंचायत सदस्य वतन चंद्राकर भी मौजूद रहे। बैठक में संयुक्त रूप से निर्णय लिया गया कि आवारा मवेशियों से फसलों को बचाने के लिए रोका-छेका व्यवस्था गोठान पुनः शुरू किया जाना जरूरी है। इसके लिए किसानों ने प्रशासन से इस संबंध में ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया। जिला पंचायत सदस्य वतन चंद्राकर ने किसानों की मंशा के अनुरूप आरंग एसडीएम को इस संबंध में ज्ञापन सौंपकर जल्द से जल्द गोठान का संचालन पुनः शुरू कराए जाने की मांग की है।

गोठान शुरू नहीं किया तो आंदोलन करेंगे

गोठानों का निर्माण मवेशियों को नियंत्रित करने और फसल बचाने के उद्देश्य से हुआ था। इनका उपयोग बंद होने से आवारा मवेशी सड़क पर बैठ रहे, खेतों में प्रवेश कर फसल चर रहे हैं। इससे किसानों की फसल बर्बाद हो रही है। अगर जल्द ही रोका-छेका गोठान व्यवस्था शुरू नहीं की गई, तो सभी गांव के किसान मिलकर आंदोलन करेंगे।
- **वतन चंद्राकर,** सदस्य, जिला पंचायत रायपुर

बिजनेस साइट

उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल में निशुल्क डायबिटिक फुट जांच शिविर आज

रायपुर। भाठागांव स्थित उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल में मधुमेह रोगियों के लिए निशुल्क डायबिटिक फुट जांच शिविर का आयोजन आज शुक्रवार को किया जा रहा है। यह शिविर सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक संचालित होगा। शिविर में आधुनिक तकनीक से डायबिटिक फुट की जांच अनुभवी विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम द्वारा की जाएगी। डायबिटिक फ़ुट की समस्या मधुमेह से ग्रसित लोगों में गंभीर रूप धारण कर सकती है, जिससे पैरों में अल्सर, सूजन, संक्रमण व गैंगरीन जैसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती है। समय पर जांच और इलाज न होने पर पैर काटने की नौबत तक आ सकती है। उक्त शिविर के अलावा हॉस्पिटल द्वारा जुलाई माह में कई अन्य स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित किए जा रहे हैं। 24 जुलाई को लीवर रोग हेतु फाइब्रोस्कैन, 25 जुलाई को पेट रोग के लिए एंडोस्कोपी और 29 जुलाई को महिलाओं के लिए निशुल्क हेल्थ चेकअप का आयोजन किया गया है।

कल्याण पब्लिक स्कूल में जरूरतमंद बच्चों को दी गई पाठ्य सामग्री

रायपुर। शिक्षा जीवन का मूल आधार है, और इसके अभाव में जीवन अधूरा प्रतीत होता है। इसी सोच के साथ इनरव्हील क्लब 'काशमो' द्वारा एक सराहनीय पहल करते हुए कल्याण पब्लिक स्कूल के 50 जरूरतमंद बच्चों को पाठ्य सामग्री वितरित की गई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि किसी भी प्रकार की आर्थिक कमी के कारण बच्चों की शिक्षा बाधित न हो। इनरव्हील क्लब 'काशमो' की अध्यक्ष वीना दानी एवं सदस्यों आकांक्षा, संध्या सराफ, सुमन गोयल, ज्योति डोलिया आदि ने बच्चों को कॉपी, पेन, पेंसिल व अन्य आवश्यक शिक्षण सामग्री प्रदान की। इस अवसर पर कल्याण पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर राजेश सक्सेना, प्राचार्या शीला गुजर सहित समस्त शिक्षक उपस्थित रहे।

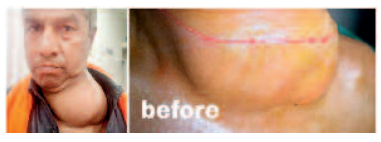

गर्दन के दुर्लभ 'डेसमॉइड ट्यूमर' का अहलूवालिया हॉस्पिटल में सफल ऑपरेशन

रायपुर। चिकित्सा क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि दर्ज करते हुए रायपुर स्थित अहलूवालिया हॉस्पिटल में गर्दन में पाए गए अत्यंत दुर्लभ 'डेसमॉइड ट्यूमर' का सफल ऑपरेशन किया गया। इस जटिल सर्जरी का नेतृत्व हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. गौरव अहलूवालिया ने किया। ऑपरेशन के दौरान मरीज की गर्दन से लगभग 1.6 किलोग्राम वजन का ट्यूमर पूरी तरह सुरक्षित ढंग से निकाला गया।

यह जटिल और चुनौतीपूर्ण ऑपरेशन ईएनटी (कर्ण, नाक, गला) और ऑन्को-सर्जरी विभाग की संयुक्त टीम द्वारा किया गया। मरीज की गर्दन में असामान्य सूजन और असहजता की शिकायत थी। जांच के बाद पता चला कि यह डेसमॉइड ट्यूमर है, जो शरीर में बहुत कम मामलों में विशेषकर गर्दन में पाया जाता है। डॉ. गौरव अहलूवालिया ने बताया कि ट्यूमर गर्दन की जटिल संरचनाओं के पास स्थित था, जिससे सर्जरी जोखिमपूर्ण थी, लेकिन हमारी ईएनटी और ऑन्को-सर्जरी टीम की कुशलता और सावधानीपूर्वक योजना के चलते ऑपरेशन पूरी तरह सफल रहा। मरीज अब स्वस्थ है और तेजी से रिकवर कर रहा है।

शराब के नशे में लड़ रहे एक व्यक्ति के सिर पर दूसरे ने फावड़ा मारकर की हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खमतराई थाना क्षेत्र में आपसी विवाद पर एक व्यक्ति ने एक अन्य के सिर पर फावड़ा से हमला कर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार मृतक बदमाश प्रवृत्ति का तथा नशेड़ी था। मृतक पूर्व में चोरी के आरोप में जेल जा चुका है। घटना के बाद डेयरी कर्मचारी फरार है। पुलिस को आशंका है कि डेयरी कर्मचारी ने हत्या की होगी। गोंदवारा स्थित सुभाष डेयरी में हत्या हुई है। मृतक की पहचान धनेश उर्फ धन्नू के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार डेयरी की छत पर धनेश किसी के साथ विवाद कर झगड़ा कर रहा था। विवाद के समय धनेश तथा अज्ञात नशे में धुत्त थे। घटना गुरुवार शाम चार बजे के आसपास की है। शाम पांच बजे के करीब डेयरी में जहां गाय-भैंस बांधकर रखा जाता है, वहां पुलिस को अज्ञात व्यक्ति की लहूलुहान लाश मिलने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक की शिनाख्ती की। पुलिस के अनुसार सिर पर फावड़ा मारकर धनेश की हत्या की गई है।

- मृतक पूर्व में चोरी के आरोप में जेल जा चुका है

शराब पीने के बाद विवाद

आसपास के लोगों से पूछताछ करने पर पुलिस को जानकारी मिली कि डेयरी का रखरखाव तथा देख-रेख कोई पूनम मिश्रा नाम का व्यक्ति करता है। पूनम के बारे में जानकारी जुटाने पर वह गायब मिला। पुलिस को आशंका है कि शराब पीने के बाद पूनम तथा धनेश का किसी बात को लेकर विवाद हुआ होगा और आवेश में आकर पूनम ने धनेश की हत्या कर दी होगी। मृतक का एक हाथ नहीं है।

विस घेरने निकले संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी, पुलिस से झूमाझटकी, अंडरब्रिज के पास बैरिकेड्स लगाकर रोका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नियमितीकरण, जॉब सुरक्षा, ग्रेड पे, अनुकंपा नियुक्ति सहित अन्य मांगों को लेकर प्रदेशभर के संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने गुरुवार को नवा रायपुर के तूता स्थित धरना स्थल से विधानसभा घेराव के रैली निकाली। इस दौरान पुलिस जवानों के साथ एनएचएम कर्मचारियों की झूमाझटकी की स्थिति बनी। अंडरब्रिज के पास पुलिस प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों को बैरिकेड लगाकर आगे बढ़ने से रोक दिया। नाराज संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी सड़क पर बैठकर नारेबाजी करते रहे।

इस दौरान स्वास्थ्य विभाग की ओर से चर्चा के लिए डिप्टी डायरेक्टर डॉ. खेमराज सोनवानी और एसडीएम पहुंचे। संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने उन्हें अपनी मांगों के संबंध में ज्ञापन सौंपा। छत्तीसगढ़ प्रदेश एनएचएम कर्मचारी संघ के आव्हान पर प्रदेश के 16 हजार संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी नियमितीकरण सहित दस सूत्रीय मांगों को लेकर दो दिवसीय हड़ताल पर रहे। हड़ताल के दूसरे दिन प्रदेशभर से बड़ी संख्या में संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी नवा रायपुर के तूता स्थित धरना स्थल पर पहुंचे। संघ के प्रदेश महासचिव कौशलेन्द्र तिवारी, प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अमित कुमार मिरी ने संयुक्त रूप से कहा कि यदि 15 अगस्त तक सरकार संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों की मांगों पर निर्णय नहीं लेती, तो प्रदेशभर के एनएचएम कर्मचारी स्वास्थ्य सेवाओं को ठप कर अनिश्चितकालीन कालीन हड़ताल पर जाने बाध्य होंगे जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

विधानसभा घेराव के लिए निकाली रैली, ब्रिज के पास रोका

दोपहर बाद प्रदेशभर से एकजुट हुए संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने तूता के धरना स्थल से विधानसभा घेराव करने रैली निकाली। हाथों में बैनर पोस्टर लिए महिला व पुरुष संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी रैली में शामिलि हुए। प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकने अंडरब्रिज के पास बड़ी संख्या में पुलिस के जवान मौजूद रहे। उन्होंने बैरिकेड लगाकर आंदोलनकारियों को आगे बढ़ने से रोक दिया। इसका कर्मचारियों ने विरोध किया। इस दौरान पुलिस के साथ झूमाझटकी भी हुई, प्रदर्शन का सिलसिला कुछ देर तक चलता रहा। मौके पर मौजूद एसडीएम को संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने मांगों के संबंध में ज्ञापन सौंपा।

धरनास्थल पर सभा, नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन

विधानसभा घेराव से पहले लामबंद कर्मचारियों ने तूता के धरना स्थल पर शासन का ध्यान आकर्षित कराने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। आंदोलन कर रहे कर्मचारियों का कहना है कि 20 साल से वे समान काम के बदले समान वेतन, नियमितीकरण की मूलभूत मांगों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कोरोना काल में ताली-थाली बजवाने वाली सरकार आज उन्हीं कोरोना योद्धाओं की उपेक्षा कर रही है। प्रदेश में डबल इंजन की सरकार होते हुए भी उन्हें मजबूरी में ताली-थाली बजाकर विरोध दर्ज कराने की नौबत आई है।

चेहरे को चीरकर लारग्रंथी में 7 सेमी अंदर तक घुसा औजार

- आंबेडकर अस्पताल का मामला, कोरबा के 14 वर्षीय बालक की जटिल सर्जरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

आंबेडकर अस्पताल में गुरुवार को एक जटिल सर्जरी कर 14 वर्षीय बालक की जान बचा ली गई। बालक कोरबा जिले के मधुनारा ग्राम का रहने वाला है। दुर्घटनावश एक 7 सेमी लंबा औजार बालक के चेहरे में घुस गया। ईएनटी विभाग के डॉक्टरों ने चेहरे के अंदर लार ग्रंथि में घुसे लोहे के तीरनुमा औजार को नस को क्षति पहुंचाए बिना निकाला। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, बालक के चेहरे की दाईं ओर एक लोहे का तीरनुमा औजार दुर्घटनावश घुस गया था। यह औजार करीब 17.5 सेमी लंबा था, जिसमें से लगभग 7 सेमी हिस्सा चेहरे व गले के भीतर फंसा था और वह गले की मुख्य रक्त वाहिनियों के बीच से होता हुआ पैरास्पाइनल स्पेस तक जा पहुंचा था। इस संवेदनशील सर्जरी का नेतृत्व ईएनटी विभागाध्यक्ष डॉ. हंसा बंजारा ने किया।

लकवाग्रस्त हो सकता था चेहरा

विभागाध्यक्ष के अनुसार, औजार मांसपेशी को चीरते हुए कान के नीचे मुख्य लारग्रंथि के पार जाकर चेहरे एवं गले में फंस गया था। गले में यह औजार मुख्य खून की नलियों के बीच से होता हुआ स्पाईनल कार्ड (पैरास्पाइनल स्पेस) के बहुत ही करीब जाकर धंसा था। इस विशेष प्रकार की सर्जरी में लार ग्रंथि को अपनी जगह से हटाकर और ग्रंथि के अंदर से होकर जाने वाली चेहरे की नस के बीच से जाकर औजार को बड़ी बारीकी से निकाला गया। औजार का किनारा गले की मुख्य खून की नलियों के बिल्कुल नजदीक होने के कारण यह सर्जरी अत्यंत जटिल थी। थोड़ी सी भी चूक की स्थिति में खून की नली में चोट लगने से, फेशियल और अन्य नसों में चोट लगने से, मरीज के शरीर या चेहरे के लकवाग्रस्त होने की संभावना थी और ज्यादा खून बहने से जान का खतरा भी हो सकता था। डॉ.दुर्गेश गजेन्द्र, डॉ.अंकुर कुमार चन्द्राकर, डॉ.प्रियंका साहू एवं एनीस्थिसिया विभाग से डॉ.प्रतिभा जैन शाह, डॉ.अमृता एवं डॉ.नीरज भी सर्जरी टीम का हिस्सा रहे।

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को
अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या
अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न
नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें
9827555678, 8224868411

अल्पसंख्यक आयोग ने जांच के लिए तीन वरिष्ठ प्राचार्यों की कमेटी बनाने दिए निर्देश

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग के पास सालेम इंग्लिश स्कूल के शिक्षकों के प्रतिनिधिमंडल ने शिकायत पत्र सौंप कर प्रभारी प्राचार्य पर कार्यवाही की मांग की। इस विषय पर राज्य अल्पसंख्यक आयोग द्वारा संज्ञान लेते हुए सालेम इंग्लिश स्कूल के विवाद की जांच करने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए हैं।

हरिभूमि

रायपुर, शुक्रवार 18 जुलाई 2025

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

सावन में बिना मेहंदी के भी संवारे ...

एजुकेशन लाइव

आबकारी आरक्षक भर्ती परीक्षा 27 जुलाई को, 2 घंटे पहले परीक्षा केंद्र पहुंचना होगा

रायपुर। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल रायपुर द्वारा आबकारी आरक्षक भर्ती परीक्षा का आयोजन रविवार 27 जुलाई 2025 को किया जाएगा। परीक्षा के सफल संचालन और सुचारू व्यवस्था के लिए व्यापम द्वारा परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, जिनका पालन करना अनिवार्य है। इन निर्देशों का उद्देश्य परीक्षा में पारदर्शिता एवं अनुशासन बनाए रखना है। कलेक्टर ने व्यापम द्वारा आयोजित परीक्षाओं में सभी निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। व्यापम द्वारा सख्त निर्देशानुसार परीक्षार्थियों को परीक्षा प्रारंभ होने से कम से कम 2 घंटे पूर्व परीक्षा केंद्र पर अनिवार्य रूप से पहुंचना है, ताकि फ्रिस्किंग (शारीरिक जांच) और पहचान पत्र सत्यापन की प्रक्रिया समय पर पूर्ण की जा सके। परीक्षा प्रारंभ होने के 30 मिनट पूर्व परीक्षा केंद्र का मुख्य द्वार बंद कर दिया जाएगा। परीक्षार्थी हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े पहनकर आएं। फुटवियर के रूप में केवल चप्पल पहनना अनिवार्य है। कान में किसी भी प्रकार का आभूषण पहनना वर्जित है। मोबाइल फोन, स्मार्ट घड़ी, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, पर्स, पाउच, बेल्ट, टोपी, स्कार्फ आदि लाना पूर्णतः वर्जित है। परीक्षा कक्ष में केवल नीले या काले बाल पॉइंट पेन से उत्तर लेखन की अनुमति होगी।

परीक्षा दिलाने अनिवार्य ये पहचान पत्र

परीक्षार्थी को व्यापम की वेबसाइट से डाउनलोड किया गया प्रवेश पत्र और 'फोटोयुक्त मूल पहचान पत्र जैसे आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड साथ लाना अनिवार्य है। फोटो रहित प्रवेश पत्र होने पर दो रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो साथ लाना होगा। प्रवेश पत्र के सभी पेज का एकतरफा प्रिंट निकालें, क्योंकि परीक्षा केंद्र में व्यापम की प्रति जमा करनी होगी। परीक्षा प्रारंभ और समाप्ति के 30 मिनट के भीतर परीक्षा कक्ष से बाहर जाना वर्जित है। परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार के अनुचित साधनों का प्रयोग करने पर परीक्षार्थी की अभ्यर्थिता रद्द कर दी जाएगी और कठोर कार्रवाई की जाएगी। निर्देशों का उल्लंघन करने वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा से वंचित किया जा सकता है। व्यापम ने परीक्षार्थियों से अनुरोध किया है कि वे जारी दिशा-निर्देशों का पूर्णतः पालन करें एवं परीक्षा में समय पर उपस्थित होकर शांतिपूर्ण वातावरण में परीक्षा संपन्न कराएं।

वर्ल्ड चैंपियनशिप की राह पर किकबॉक्सर्स, 33 राज्यों से पहुंचे 1200 खिलाड़ी, दमदार फाइट्स देख दर्शक रोमांचित

इंडोर स्टेडियम में राष्ट्रीय किक बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2025 का भव्य शुभारंभ

रायपुर। इंडोर स्टेडियम में राष्ट्रीय किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप 2025 का भव्य शुभारंभ हुआ। पहले दिन देशभर से पहुंचे विभिन्न राज्यों के खिलाड़ियों ने मार्चपास्ट के जरिए अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। बैगपाइपर की धुन पर खिलाड़ियों ने अपने-अपने राज्यों का परिचय देते हुए मैदान का चक्कर लगाया। इसके बाद सभी खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता के लिए अभ्यास शुरू किया। लंबे समय बाद राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता के आयोजन से शहरवासियों में खासा उत्साह देखने को मिला। स्टेडियम में खिलाड़ियों की फाइट देखने बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और रोमांचित होते नजर आए। चैंपियनशिप का उद्घाटन खेल मंत्री टंकराम वर्मा, भाजपा के संगठन मंत्री पवन साय और प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर न्यूज 24 और लल्लूराम डॉट कॉम के चेयरमैन नमित जैन विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

छत्तीसगढ़ के सभी जिलों को 'खेलो इंडिया' योजना में किया शामिल

खेल मंत्री टंकराम वर्मा ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि देश के 33 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से खिलाड़ी इस राष्ट्रीय आयोजन में भाग ले रहे हैं। कुल 1500 प्रतिभागियों में 1200 खिलाड़ी और 300 अधिकारी शामिल हैं। छत्तीसगढ़ के सभी 33 जिलों को 'खेलो इंडिया' योजना में शामिल किया गया है, ताकि प्रदेश को खेलों के क्षेत्र में राष्ट्रीय पहचान मिल सके। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को निखारने और आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि ओलंपिक में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को राज्य सरकार सम्मानित करेगी। गोल्ड मेडल जीतने पर 3 करोड़ रुपए, सिल्वर मेडल पर 2 करोड़ रुपए और ब्रॉन्ज मेडल पर 1 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

जीत का पंच लगाने उतरे रिंग पर

राष्ट्रीय किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप को लेकर खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह है। देशभर से पहुंचे स्टार फाइटर्स ने कहा कि यह चैंपियनशिप बेहद जरूरी है, क्योंकि यहां जीत दर्ज करने के साथ ही वर्ल्ड चैंपियनशिप में चयन का रास्ता खुलता है। हरिभूमि से चर्चा में खिलाड़ियों ने बताया कि वे महीनों से तैयारी कर रहे हैं और अब उन्हें बस विरोधियों की कमजोरियों को भांपते हुए हराना है। लंबे समय बाद रायपुर में इस तरह की फाइटिंग का रोमांच देखने को मिल रहा है, जिससे खिलाड़ी और दर्शक दोनों ही बेहद उत्साहित हैं।

विजेता होंगे वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए चयनित

राष्ट्रीय किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप की शुरुआत से पहले सभी खिलाड़ियों का वजन परीक्षण (वेट टेस्ट) और मेडिकल चेकअप किया गया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा, "खेल हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है। यहां पहुंचे सभी खिलाड़ियों ने तय किया होगा कि वे जीतेंगे। उन्हें एक बेहतर मंच की जरूरत थी, जो अब मिला है।" फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष कुमार अग्रवाल और प्रदेश अध्यक्ष छगनलाल मुंदड़ा ने बताया कि यह प्रतियोगिता वाको इंडिया किकबॉक्सिंग फेडरेशन के तत्वावधान में आयोजित की जा रही है, जिसे भारत सरकार के खेल एवं युवा मंत्रालय से मान्यता प्राप्त है। उन्होंने बताया कि विजेता खिलाड़ियों का चयन अबूधाबी में होने वाली वर्ल्ड किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप के लिए किया जाएगा।

खिलाड़ियों की तैयारी पूरी

राष्ट्रीय किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप को लेकर खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह है। देशभर से पहुंचे स्टार फाइटर्स ने कहा कि यह चैंपियनशिप बेहद जरूरी है, क्योंकि यहां जीत दर्ज करने के साथ ही वर्ल्ड चैंपियनशिप में चयन का रास्ता खुलता है। हरिभूमि से चर्चा में खिलाड़ियों ने बताया कि वे महीनों से तैयारी कर रहे हैं और अब उन्हें बस विरोधियों की कमजोरियों को भांपते हुए हराना है। लंबे समय बाद रायपुर में इस तरह की फाइटिंग का रोमांच देखने को मिल रहा है, जिससे खिलाड़ी और दर्शक दोनों ही बेहद उत्साहित हैं।

सिटी लाइव

साइबर ठगी से बचने लुभावने ऑफर और सोशल मीडिया पर अंजान लोगों से रहें दूर

रायपुर। सोसाइटी के लोगों की लाइफस्टाइल सायबर ठगी के चलते फाइनेंशियली काफी हद तक प्रभावित हो रही है। ऑनलाइन शॉपिंग हो, बैंकिंग हो या बिजनेस, सभी स्तर पर सायबर ठगी से आर्थिक नुकसान होने से मानसिक परेशानी उठानी पड़ रही है। ऐसे में सोसाइटी के लोगों को सायबर फ्रॉड से बचाने सायबर क्राइम ब्रांच रायपुर, ट्रिपलआईटी, एनआईटी जैसी संस्थाएं समय-समय पर अवेयरनेस कार्यक्रम चलाती रहती हैं। इसी कड़ी में सायबर क्राइम ब्रांच रायपुर के डीएसपी संजय सिंह से शहरवासियों को सायबर ठगी से बचाने के उपाय और ठगों की पहचान करने की तरीकों के बारे में बातचीत की गई। डीएसपी संजय सिंह ने बताया कि डिजिटल प्लेटफार्म पर किसी भी तरह का लुभावने ऑफर, स्कीम, लॉटरी के फेर में नहीं फंसना है। वहीं सोशल मीडिया पर किसी भी अंजान व्यक्ति से चैटिंग या फ्रेंड रिक्वेस्ट को स्वीकार नहीं करना है। गौरतलब है कि आए दिन लोग सायबर ठगी के शिकार हो रहे हैं। ऐसे में अधिक से अधिक जागरूकता से सोसाइटी के लोगों की लाइफ स्टाइल को प्रभावित होने से रोकने सायबर ठगी से सुरक्षित रहना और आसपास के लोगों को बचाने में योगदान करना होगा।

ठगी को पहचानने के तरीके

साइबर ठगी को पहचानने के कुछ तरीके एक्सपर्ट बता रहे हैं। अगर किसी अंजान नंबर से कॉल या मैसेज आता है या कोई ई-मेल मिलता है, जो तत्काल कार्रवाई करने को कहे या निजी जानकारी मांगे जैसे ओटीपी, पिन, पासवर्ड, बैंक डिटेल तो उसे शेयर नहीं करना है। बैंक या सरकारी संस्थाएं कभी भी फोन पर ऐसी जानकारी नहीं मांगतीं। किसी भी अंजान ईमेल या मैसेज में दिए गए लिंक पर क्लिक न करें और न ही अटैचमेंट खोलें। इनमें मेलवेयर या फिशिंग लिंक हो सकते हैं। लुभावने ऑफर ऐसे ऑफर, जो बहुत कम समय में ज्यादा लाभ का वादा करते हैं, जैसे लॉटरी, बंपर इनाम या रातों-रात अमीर बनने की स्कीम, अक्सर ठगी के तरीके होते हैं। डिजिटल अरेस्ट कर कोई पुलिस या सरकारी अधिकारी बताकर डराए या धमकाए कि आपके खिलाफ वारंट जारी हो गया है और पैसे मांगे तो यह साइबर ठगी है। सोशल मीडिया पर अंजान लोगों की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार करने से बचें, खासकर अगर वे महंगे गिफ्ट या पैसे का लालच दें।

सायबर ठगी से बचाव के उपाय

ऑनलाइन गतिविधियों के दौरान हमेशा सतर्क रहना है। अपने सभी ऑनलाइन खातों के लिए मजबूत और अलग-अलग पासवर्ड का उपयोग करें। जहां भी संभव हो, टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन चालू करें। मोबाइल, कंप्यूटर और सभी एप्स को हमेशा अपडेट रखें, क्योंकि अपडेट सुरक्षा कमजोरियों को ठीक करते हैं। सार्वजनिक वाई-फाई नेटवर्क पर बैंकिंग या अन्य संवेदनशील लेन-देन करने से बचें, क्योंकि ये असुरक्षित हैं। ऑनलाइन खरीदारी या बैंकिंग के लिए हमेशा विश्वसनीय और सुरक्षित वेबसाइट का ही उपयोग करना चाहिए। इन सावधानियों को अपनाकर आप खुद को सायबर ठगी से सुरक्षित रख सकते हैं।

जिला प्रशासन ने शुरू की पुस्तकालय उत्कर्ष योजना

33 दानदाताओं ने दीं 804 पुस्तकें, अब इससे जरूरतमंदों की करेंगे मदद

रायपुर। जिला प्रशासन रायपुर ने पुस्तकालय उत्कर्ष योजना की शुरुआत की है। इस योजना के तहत लोग प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित किताबें, साहित्यिक किताबें एवं अन्य ज्ञानपरक किताबें दान कर सकेंगे, ताकि इसका लाभ जरूरतमंद विद्यार्थियों और अन्य जिज्ञासुओं को मिल सके। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में पुस्तकालय उत्कर्ष योजना की शुरुआत रेडक्रॉस सभाकक्ष में की गई, जिसका उद्देश्य जरूरतमंद विद्यार्थियों को उनके पाठ्यक्रम व प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए आवश्यक पुस्तकें व साहित्य प्रेमी लोगों के लिए पुस्तकें उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम में 33 दानदाताओं ने 804 पुस्तकें दान में दीं। इनमें विद्यार्थियों द्वारा दी गई स्कूली किताबें शामिल हैं तो योजना प्रकाशन द्वारा 1.50 लाख रुपए की हाल ही में प्रकाशित किताबें दी गईं। साथ ही राहुल कुमार सिंह और सेवानिवृत्त इंजीनियर राम टेके द्वारा पुरातत्व पर आधारित स्वयं की लिखी हुई किताबें दान की गईं। वहीं रोल बॉल फाउंडेशन ने लैपटॉप दिया। दान की गई पुस्तकों में जेईई से लेकर तमाम प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए किताबें शामिल हैं। सभी के चेहरे पर खुशियों के भाव थे, जिससे परिलक्षित हो रहा था कि विद्यादान महादान है। इन किताबों में दानदाताओं के नाम के स्टीकर लगाए गए और कलेक्टर द्वारा प्रमाणपत्र प्रदान कर प्रोत्साहित भी किया गया।

डोनेट कर रहे सभी तरह की किताबें

स्मृति पुस्तकालय योजना के तहत 33 दानदाताओं ने किताबें दान में दीं। पुस्तक दानदाता छात्रा सुश्री प्रियंका नारायण ने बताया कि प्रशासन द्वारा शुरू की गई इस योजना में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले बच्चों के लिए मैंने 25 बुक्स डोनेट की हैं। जो बच्चे बुक पढ़ या खरीद नहीं पाते, उनके लिए जिला प्रशासन की यह अनोखी पहल है। इससे वे पढ़कर सीख पाएंगे। योजना चक्र पब्लिकेशन के संपादक आशीष श्रीवास्तव ने कहा कि विद्यादान महादान है। मुख्यमंत्री श्री साय की पहल स्मृति पुस्तकालय योजना में मैंने 500 किताबें डोनेट की हैं। उन्होंने कहा कि जिन जरूरतमंद लोगों तक किताबें पहुंच नहीं पाती हैं, ऐसे प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों तक ये किताबें पहुंच सकें, इसके लिए मैंने किताबें दी हैं।

तिलक लगाकर शाला प्रवेश उत्सव में छात्राओं का स्वागत

रायपुर। शहर के लक्ष्मीनारायण कन्या विद्यालय गुरुकुल परिसर में स्कूल टाइम में छात्राओं का शाला प्रवेशोत्सव की कड़ी में तिलक लगाकर स्वागत किया गया। अवसर को खास बनाने के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा से सेवानिवृत्त अधिकारी शारदा वर्मा मुख्य अतिथि थीं। उन्होंने शिक्षा का जीवन मे कितना योगदान है, इसका एहसास कराने का प्रयास किया। नवप्रवेशी छात्राओं का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। साथ ही कॉपी, पेन वितरण करते हुए मिष्ठान से मुंह मीठा करके प्रवेश उत्सव का शुभारंभ किया गया। अध्यक्ष अजय तिवारी ने स्वागत भाषण दिया। कन्याओं की शिक्षा के लिए समर्पित भातखण्डे ललित कला शिक्षण समिति द्वारा संचालित विभिन्न संस्थाओं एवं उनकी उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला।

अतिथियों का स्वागत और सम्मान

गुरुकुल महिला कॉलेज की प्राचार्या डॉ. संध्या गुप्ता, कमला देवी संगीत कॉलेज से उज्जवल सिंह ठाकुर विशेष रूप से उपस्थित थे। विद्यालय पालक समिति के अध्यक्ष हेमकरन देवांगन, प्राचार्या मनीषा गहोई द्वारा शाला प्रतिवेदन के साथ ही अतिथियों का स्वागत किया गया। शॉल, श्रीफल, प्रतीक चिन्ह भेंटकर अतिथियों का सम्मान किया गया। भातखण्डे ललितकला समिति की सचिव शोभा खंडेलवाल ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

कार्नर न्यूज

लोकल टेक्नीशियन और इवेंट कंपनियां सिटी में कलाकारों के लिए तैयार करा रहीं लाइव कंसर्ट स्टेज

लाइव कंसर्ट म्यूजिकल शो को हिट बनाने लाखों का भव्य सेटअप, कलाकार-ऑडियंस में इंटरटेनमेंट का पारा हाई

रायपुर। लाइव कंसर्ट म्यूजिकल शो आजकल राजधानी के फैशन में शुमार हो चुके हैं। यहां के यूथ लाइव कंसर्ट म्यूजिकल शो को लेकर क्रेजी हैं। वे शहर में होने वाले ऐसे किसी भी गीत-संगीत से जुड़े म्यूजिकल प्रोग्राम के अवसर को एंजॉय करना मिस नहीं करते। म्यूजिकल शो में कलाकार की प्रस्तुति को हिट बनाने और ऑडियंस के एंजॉयमेंट को चरम पर पहुंचाने में भव्य लाइव स्टेज सेटअप बेहद जरूरी पार्ट है। यही वजह है कि शो आयोजक इवेंट कंपनियां हायर कर म्यूजिक लाइव कंसर्ट शो के लिए लाखों रुपए का भव्य लाइव स्टेज सेटअप तैयार कराते हैं। सिटी के एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी में लाइव कंसर्ट स्टेज सेटअप एक्सपर्ट के रूप में कार्य कर रही श्रेया चांडक बताती हैं कि राजधानी में लाइव कंसर्ट म्यूजिकल शो के लिए जरूरी भव्य स्टेज सेटअप स्थानीय स्तर के इवेंट मैनेजमेंट कंपनियां व एक्सपर्ट ही ऑर्गेनाइज करने लगी हैं, जबकि 10 साल पहले तक मुंबई, दिल्ली व दूसरे मेट्रो सिटीज से इवेंट मैनेजमेंट कंपनियों व उसके एक्सपर्ट को हायर करना पड़ता था। इस प्रकार लाइव कंसर्ट म्यूजिकल शो में स्थानीय युवाओं की भागीदारी व आत्मनिर्भरता बढ़ी है। वहीं लोकल इवेंट कंपनियों के विकसित होने से कॅरियर व रोजगार के अवसर भी खुले हैं। आज शहर में इंटरनेशनल टच देने एक से बढ़कर एक लाइव कंसर्ट म्यूजिकल शो आर्गेनाइज किए जा रहे हैं। बॉलीवुड, हॉलीवुड, गवर्नमेंट कल्चरल इवेंट्स में नामी सिंगर्स के लाइव कंसर्ट्स म्यूजिकल शो के लिए भव्य लाइव स्टेज सेटअप तैयार किए जा रहे हैं।

तकनीशियन व टेक्नोलॉजी का कमाल : इवेंट मैनेजमेंट कंपनी के मैनेजर बृजेश मल्होत्रा का कहना है कि इवेंट कंपनी ही पूरी प्रक्रिया का समन्वय करती है, जिसमें डिजाइनर, फैब्रिकेटर और तकनीशियनों को किराए पर लेना तथा पूरे कार्यक्रम का प्रबंधन करना शामिल होता है। राजधानी में कई ऐसी कंपनियां हैं, जो बड़े कंसर्ट और इवेंट्स के लिए स्टेज डिजाइन एवं सेटअप तैयार करती हैं। यह एक टीमवर्क होता है, जिसमें स्टेज डिजाइनर, फैब्रिकेटर स्टेज के स्ट्रक्चर प्रॉप्स और सेट पीस को बनाते हैं। तकनीकी टीम इसमें लाइट, साउंड और वीडियो उपकरण लगाने तथा चलाने वाले टेक्नीशियन शामिल होते हैं, विजुअल आर्टिस्ट एलईडी स्क्रीन और प्रोजेक्शन मैपिंग के लिए वीडियो कंटेंट और एनिमेशन बनाते और ऑपरेट करते हैं।

स्टेज तैयार करने में 5 से 50 लाख रुपए तक का बजट

डिजाइन विशेषज्ञ अंकित अरोड़ा बताते हैं कि नेशनल व इंटरनेशनल स्तर के लाइव कंसर्ट स्टेज का बजट न्यूनतम 5 लाख और अधिकतम 50 लाख तक हो सकता है। आयोजक बैंड की आवश्यकताओं, वेन्यू की विशेषताओं और बजट को ध्यान में रखते हुए स्टेज को डिजाइन कराते हैं। इसमें बैंड के संगीत, उनके ब्रांड और कंसर्ट के सब्जेक्ट, लाइटिंग, रोशनी, यह स्टेज डेकोरेशन का सबसे अहम हिस्सा है। डायनामिक लाइटिंग रिग्स ये रोशनी के रंग और पैटर्न को बदल सकते हैं, जिससे संगीत के हिसाब से माहौल बनता है। मूविंग हेड्स और स्पॉटलाइट्स कलाकारों पर रोशनी केंद्रित करते हैं और स्टेज पर अलग-अलग जगह फोकस करते हैं। बड़ी एलईडी स्क्रीन पर संगीत के साथ चलते हुए विजुअल्स, बैंड के लोगो या कलात्मक एनिमेशन दिखाए जाते हैं। ये स्टेज को पूरी तरह से बदल सकते हैं। कलाकारों या वाद्ययंत्रों को ऊपर उठाने के लिए राइजर्स (मंच) का उपयोग किया जाता है, जिससे स्टेज पर ऊंचाई और गहराई का प्रभाव आता है। स्टेज का फ्लोर भी रोशनी या विशेष बनावट वाला हो सकता है। एक भव्य और असाधारण प्रोडक्शन बैंड की पसंद और बजट पर निर्भर करता है।

सिटी लाइव

संस्कार और आध्यात्म का संगम, बच्चों में धर्म जागरूकता के लिए अनूठी पहल

रायपुर। विमलनाथ भगवान के मंदिर में धर्म और आध्यात्मिक मूल्यों को समाज, विशेषकर बच्चों के भीतर जागृत करने के लिए अनुकरणीय पहल की जा रही है। हर रविवार को बच्चों के लिए प्रेरणादायक प्रवचन और संस्कार निर्माण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य उन्हें धर्म, नीति और जीवन के आदर्श मूल्यों से जोड़ना है। इन शिविरों में प्रवचन के बाद तीन प्रश्न पूछे जाते हैं। सही उत्तर देने वाले बच्चों को प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कार भी दिए जाते हैं। इस पहल का मकसद बच्चों को केवल धार्मिक ज्ञान देना नहीं, बल्कि उन्हें एक संस्कारित, जिम्मेदार और समाज के प्रति जागरूक नागरिक बनाना है। यहां सुप्रभात महाभिषेकः प्रतिदिन सुबह 6 से 6.25 बजे तक। सबसे पहले पहुंचने वाले श्रद्धालु को अभिषेक करने का विशेष अवसर मिलता है। गुरुभगवंतों का प्रवचन प्रतिदिन प्रातः 9 से 10 बजे तक सम्यक दर्शन और धर्मज्ञान से भरपूर प्रवचन। इसके अलावा साध्वी मंडल का प्रवचन प्रतिदिन दोपहर 2.30 से 3.30 बजे तक, महिलाओं के लिए व्यावहारिक जीवन मूल्यों पर आधारित विशेष प्रेरक संवाद।

उत्तराध्ययन सूत्र का वाचन होगा शुरू

तीर्थप्रेम विजयजी महाराज साहब के सान्निध्य में उत्तराध्ययन सूत्र का वाचन प्रारंभ हो रहा है। उन्होंने सूत्र की भूमिका रखते हुए बताया कि लगभग 2551 वर्ष पूर्व भगवान महावीर स्वामी ने वैशाख शुक्ल दशमी के दिन रिजुबालिका नदी तट पर 'गोदोहासन मुद्रा' में ध्यान करते हुए 'छपक श्रेणी' की सिद्धि प्राप्त की थी। उसी भावदशा में उन्होंने समस्त कर्मों का क्षय कर सर्वज्ञता प्राप्त की। भगवान महावीर के जीवन में देशना की विशेष भूमिका रही है, विशेषकर उनका अंतिम चातुर्मास पावापुरी नगरी में हुआ जहां उन्होंने लगातार 16 प्रहर (48 घंटे से अधिक) तक देशना दी, जिससे उत्तराध्ययन सूत्र का उद्भव हुआ।

● शहर के गोपाल मंदिर, गोकुलचंद्रा मंदिर, गिरिराज मंदिर में फूल, फल, सब्जियों से आकर्षक सजावट

वृंदावन की तर्ज पर कृष्ण मंदिरों में हिंडोला उत्सव की धूम, केले के 100 पेड़ से बनाया बगीचा

शहर के प्रमुख श्रीकृष्ण मंदिरों में हिंडोला उत्सव बड़े धूमधाम और भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है। शाम होते ही मंदिर प्रांगण में श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिली, जहां भजन-कीर्तन की मधुर स्वर-लहरी के बीच श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप के दर्शन करने का अवसर मिला। हिंडोला उत्सव में श्रीकृष्ण की प्रतिमा एवं हिंडोला को विशेष रूप से सजाया गया।

रायपुर। इस दौरान आरती, पूजन और संगीतमय भजनों के बीच मंदिर परिसर में हरि संग झूले है ब्रज नारी....हिंडोला कुंज वन डारो रे झूलन आई राधिका प्यारी...जैसे भजनों की गूंज सुनने को मिली। इस अवसर पर मंदिर परिसर को वृंदावन, बनारस, मथुरा की तर्ज पर सजाया गया था। शहर के गोपाल मंदिर, गोकुलचंद्रा मंदिर, गिरिराज मंदिरों में फूल, फल, सब्जियों, रंगबिरंगे गोटेदार लेस से सजावट की जा रही। एक माह के हिंडोला उत्सव में श्रद्धालु परिवार साहित मंदिर पहुंचकर महोत्सव का आनंद ले रहे, वहीं मोर, हाथी, श्रीकृष्ण की सखी, ग्वाल, गाय-बछिया आदि प्रतिमाओं से सजाया जा रहा है। इस दौरान रोजाना नए वस्तुओं से हिंडोला और मंदिर को सजाया जा रहा है।

करौंदा और नीबू से सजाया हिंडोला

झुलाई दियो रे झुलना यही सावन मा...भजन से हिंडोला उत्सव की शुरुआत सदर बाजार स्थित गोपाल मंदिर में की गई। जहां शाम 7 बजे महिला समूह ने अपने भक्तिमय कीर्तन से समा बांधा, जहां महिलाएं श्रीकृष्ण की भक्ति में उत्साहपूर्वक झूमती गाती नजर आईं। इस दौरान 300 से अधिक मक्का, स्टार फ्रूट, करौंदा और नीबू से हिंडोला और झूमर सजाए गए।

गुलाबी घटा से सजा श्रीकृष्ण का दरबार

हिंडोला उत्सव के अवसर पर गिरिराज मंदिर को गुलाबी घटा से सजाया गया, जहां हिंडोला, प्रतिमाएं व मंदिर परिसर को गुलाबी फूल, चमचमाती पोशाकें और लाइटिंग के साथ सजाया गया। वहीं मंदिर के सदस्य सिद्धार्थ शुक्ला ने बताया कि एकादशी के विशेष अवसर पर 100 से अधिक केले के पेड़ से बगीचा तैयार किया जाएगा, जहां श्रीकृष्ण को विशेष हिंडोले पर विराजित किया जाएगा। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ मंदिर प्रांगण में देखने को मिलेगी।

पान के पत्ते और हरी सब्जियों से सजेगा झूला

हरि संग झूले है ब्रज की नारी....कीर्तन से हिंडोला उत्सव का शुभारंभ हुआ, इस दौरान महिलाएं बाल स्वरूप श्री कृष्ण की आराधना करती नजर आईं। गुरुवार को गोकुलचंद्रा मंदिर में हिंडोला चमचमाते लेस और फूलों से सजाया गया, जहां झूमर को करौंदा फल, पत्ती, गुलाब, मोंगरा, सेवंती आदि फूलों से सजाया गया। इस दौरान मंदिर परिसर में सौ से अधिक श्रद्धालु दर्शनमात्र ने लिए शामिल हुए। हिंडोला महोत्सव के दौरान 20 जुलाई को पान के पत्ते और 22 जुलाई को हरी सब्जियों से हिंडोला सजाया जाएगा।

सिटी लाइव

स्वास्थ्य शिविर में 1140 बच्चे लाभान्वित विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने की जांच

रायपुर। ब्राइट फाउंडेशन की ओर से चार दिवसीय निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रदीप गोविंद शितूत एवं प्रवक्ता चेतन चंदेल ने बताया कि बोर्नियो मदर एंड चाइल्ड केयर हॉस्पिटल, दृष्टि नेत्रालय एवं डॉ. शिवम दुबे के सहयोग से कुसुम ताई दाबके पाठशाला, माधवराव सप्रे स्कूल में मेडिकल कैंप लगाया गया। 14 से 17 जुलाई तक शिविर का आयोजन हुआ। इस मेडिकल कैंप में गायनिक, आई टेस्ट, ब्लड टेस्ट व डेंटल के साथ ही बच्चों का जनरल चेकअप भी किया गया। स्वास्थ्य जांच में 55 बच्चों में विभिन्न प्रकार की शारीरिक कमियां पाई गईं। इन बच्चों की पहचान कर उचित उपचार के लिए चिकित्सा टीम द्वारा सलाह दी गई। स्वास्थ्य शिविर के समापन अवसर पर स्वामी विवेकानंद वार्ड के पार्षद व जोन-4 के अध्यक्ष मुरली शर्मा शामिल हुए। उन्होंने अपने संबोधन में शिविर की प्रशंसा करते हुए सभी बच्चों को निरोगी व स्वस्थ रहने के लिए अपने पैरों को गरम, पेट को नरम तथा दिमाग को ठंडा रखने का सूत्र बताते हुए शिक्षा के साथ-साथ खेल, व्यायाम व योग को भी अपनी दिनचर्या में शामिल करने का आव्हान किया।

निशुल्क स्वास्थ्य शिविर हुआ संपन्न

फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रदीप गोविंद शितूत ने बताया कि कुसुम ताई दाबके पाठशाला, माधवराव सप्रे स्कूल में मेडिकल कैंप लगाया गया। इस मेडिकल कैंप में 1140 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इसमें बच्चों को डॉक्टर्स द्वारा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने, समय पर पौष्टिक भोजन, पढ़ाई, खेलकूद में हिस्सा लेने की सलाह दी गई। गायनिक, आई टेस्ट, ब्लड टेस्ट व डेंटल के साथ ही बच्चों का जनरल चेकअप किया गया। स्वास्थ्य जांच में जिन बच्चों में विभिन्न प्रकार की शारीरिक कमियां पाई गईं, उन्हें उचित उपचार के लिए चिकित्सा टीम द्वारा सलाह दी गई।

विवाह जैसे पवित्र रिश्ते में बढ़ती असहिष्णुता छोटी-छोटी बातों पर टूट रहे बड़े संबंध

दादाबाड़ी में आत्मोत्थान चातुर्मास 2025 के अंतर्गत चल रहे प्रवचन श्रृंखला में हंसकीर्ति श्रीजी धर्मरत्न प्रकरण ग्रंथ का पठन कर रही हैं। इसी क्रम में गुरुवार को उन्होंने कहा, यह समय हमें चेतावनी दे रहा है कि रिश्तों, खासकर विवाह जैसे पवित्र बंधन की जिम्मेदारियां समझें। आजकल छोटी-छोटी बातों पर घरों में तकरार इतनी बढ़ जाती है कि लोग आवेश में आकर बेहद हिंसक फैसले तक कर लेते हैं, कभी-कभी हत्या जैसे घोर अपराध भी। पर क्या ऐसा कदम किसी परेशानी का समाधान है? नहीं। उलटे जीवन कोर्ट-कचहरी और जेल के चक्करों में उलझ जाता है, जहां देर से ही सही, गलती का एहसास तो होता है, पर तब तक बहुत कुछ खो चुका होता है।

भीतर संयम, करुणा और विवेक बनाए रखें

धार्मिक जीवन में भी यही प्रवृत्ति दिखती है। हम धर्म से जुड़ते तो हैं, पर सतही ढंग से, जैसे किसी ऑफर का लाभ उठाने चले हों। जैसे ही प्रतिकूलता आती है, श्रद्धा ढीली पड़ जाती है, पूजा-साधना छूटने लगती है और भीतर का बल कमजोर हो जाता है। असली धर्म वह है, जो कठिन समय में भी हमारे भीतर संयम, करुणा और विवेक बनाए रखे। यहीं आती है संकल्प शक्ति की बात। जीवन में कोई भी लक्ष्य, रिश्तों का निभाव, नैतिक आचरण, अध्यात्म का अभ्यास या निजी उन्नति, दृढ़ निश्चय के बिना पूरी नहीं होती। जब मन ठान लेता है तो बाधाएं रास्ता देने लगती हैं। इतिहास ऐसे असंख्य उदाहरणों से भरा है, जहां अटल संकल्प ने असंभव को संभव बनाया। श्री ऋषभदेव मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष विजय कांकरिया, कार्यकारी अध्यक्ष अभय कुमार भंसाली, आत्मोत्थान चातुर्मास समिति 2025 के अध्यक्ष अमित मुणोत ने बताया कि दादाबाड़ी में सुबह 8.45 से 9.45 बजे तक साध्वीजी का प्रवचन होगा।

रायपुर। सोचिए, तेज सिरदर्द से तड़प रहे व्यक्ति की कहानी। उसने दवा खाई, बाम लगाया, मालिश कराई, फिर भी आराम नहीं। डॉक्टर ने दवा तो दी, पर साथ ही चेताया, हजार में एक को इस दवा से ब्रेन हेमरेज हो सकता है। बस आदमी ने दर्द झेलना स्वीकार कर लिया, बड़ा जोखिम उठाने से मना कर दिया। यही तो सीख है कि क्षणिक राहत के लालच में हम अक्सर बड़े नुकसान की अनदेखी कर देते हैं। वैवाहिक तनाव, क्रोध या सामाजिक दबाव में किसी चरम कदम का चुनाव भी ऐसा ही जोखिम है पलभर का आवेश, उम्रभर की यातना।

उन्नत मत्स्य बीज उत्पादन और पालन की आधुनिक पद्धति सीखने राज्यों से पहुंचे किसान

रायपुर। कृषि विज्ञान केंद्र, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में 5 दिवसीय उन्नत मत्स्य बीज उत्पादन के विषय पर प्रशिक्षण संपन्न हुआ। राष्ट्रीय मत्स्य कृषक दिवस के अवसर पर इस कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. एसएस टुटेजा, निदेशक विस्तार सेवाएं, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किया गया। वहीं बतौर विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर एमएस चारी एवं डॉ. गौतम राय, कृषि विज्ञान केंद्र के प्रमुख शामिल हुए। इस प्रशिक्षण में छत्तीसगढ़ राज्य के विभिन्न जिलों के साथ साथ बंगाल, अरांधप्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, ओडिशा से भी मत्स्य कृषक इस प्रशिक्षण में सम्मिलित हुए। इसके अलावा नेपाल से रेवती सिंह भी शामिल हुईं। बरसात के प्रारंभ होते ही मत्स्य प्रजनन का कार्य प्रारंभ होता है, जो विश्वविद्यालय के एकीकृत मत्स्य उत्पादन प्रक्षेत्र में कृत्रित प्रजनन इकाई में उपलब्ध सर्कुलर हैचरी में कार्य संपादित होता है। मत्स्य कृषकों में उन्नत मत्स्य बीज उत्पादन प्रशिक्षण लेने हेतु विषेश मांग रहती है। इस दौरान भारतीय मेजर क्रॉप एवं भारतीय कैटफिश मछलियों की ब्रीडिंग एवं उन्नत बीज उत्पादन विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण के माध्यम से प्रशिक्षणार्थी ब्रुड स्टाक मैनेजमेंट, कृत्रिम प्रजनन, नर्सरी प्रबंधन आदि के बारे में सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक रूप से सिखाया गया, इस प्रशिक्षण में हैचरी प्रबंधन के बारे में विशेष रूप से जोर दिया गया।

इंदिरा गांधी कृषि विवि में राष्ट्रीय मत्स्य दिवस पर उन्नत मत्स्य बीज उत्पादन विषय पर प्रशिक्षण संपन्न

प्रशिक्षार्थियों को दिए सहभागिता प्रमाणपत्र

मुख्य अतिथि डॉ. गुहे ने अपने उद्बोधन में कहा कि समन्वित कृषि में मछली पालन का बहुत बड़ा योगदान है तथा आय का एक उत्तम स्त्रोत है। उन्होंने यह भी कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र रायपुर मछलीपालन क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है और विश्वविद्यालय के नाम को एक नई पहचान की ओर ले जा रहे हैं। इस प्रशिक्षण में शामिल हुए प्रशिक्षार्थियों ने 5 दिवसीय उन्नत मत्स्य बीज उत्पादन में जो प्रशिक्षण से सीखा उनके अनुभव सभी के साथ साझा किए और मत्स्य बीज उत्पादन को व्यवसाय के रूप में अपनाकर आर्थिक स्वावलंबी बनने का इच्छा जताई। अंत में सभी प्रशिक्षार्थियों को सहभागिता प्रमाणपत्र मुख्य अतिथि द्वारा दिए गए एवं डॉ. सौगत सासमल प्रशिक्षण प्रभारी ने धन्यवाद ज्ञापन देते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन किया।

सावन को खास बनाने साज-श्रृंगार और कपड़ों का सजाया एग्जीबिशन

कचना स्थित आनंदम वर्ल्ड सिटी में महिलाओं के लिए सजे स्टॉल

रायपुर। सावन को खास बनाने के लिए महिलाओं द्वारा आनंदम वर्ल्ड सिटी कचना में एग्जीबिशन लगाया गया है। इसमें सजाए गए स्टॉल पर सावन को स्पेशल बनाने के लिए ड्रेसेस, व्रत करने वालों के लिए फलाहार, होममेड नाश्ते के साथ ही साज-श्रृंगार के लिए ज्वेलरी, कपड़ों की ढेरों वैरायटीज हैं। सावन में पूजा सामग्री के साथ ही हैंडमेड सजावटी साजो-सामान है। फूड स्टॉल के साथ ही कृत्रिम पौधे इस बार एग्जीबिशन में शामिल हैं। हर स्टॉल पर किचन से लेकर कमरों को खास बनाने के लिए अलग-अलग तरह के साजो-सामान सजाए गए हैं। हरिभूमि को एग्जीबिशन की आयोजक शिवानी केडिया ने बताया कि सभी स्टॉल महिलाओं ने लगाए हैं, ताकि उन्हें मौका मिले और वे अपने काम के माध्यम से कमा सकें। महिलाओं ने एग्जीबिशन में महिलाओं की पसंद को तवज्जो देते हुए ही स्टॉल सजाए हैं।

हैंडलूम कपड़े और हैंडमेड प्रोडक्ट भी

सावन के लिए स्पेशल ड्रेसेस की श्रृंखला स्टॉल पर देखने को मिली। हर स्टॉल पर कुछ नया देखने को मिला। युवतियों के लिए हैंडलूम कुर्ती, फ्रॉक, सुंदर मैचिंग एसेसरीज को पसंद किया जा रहा है, जिसकी किमत 400 से 2000 रुपए तक है। सावन उत्सव के आयोजनों को देखते हुए व्रतधारियों के लिए स्टॉल पर फलाहार में भाखर वड़ी, केले की स्टिक, आम पापड़ और चकली जैसे प्रोडक्ट शामिल हैं। किचन की जरूरत के सामान भी लोगों को आकर्षित कर रहे हैं।

राखियों के साथ बच्चों को पढ़ाने कई प्रोडक्ट

रक्षाबंधन से पहले ही स्टॉल पर राखियां देखने को मिल रही हैं। राखी पर्व पर भाई को या बहन को गिफ्ट भेजना हो तो उसके लिए पैकेट गिफ्ट खरीदी किए जा रहे हैं। इस गिफ्ट पैकेट में राखी, पर्स, चॉकलेट, होममेड केक, कैश पाउच शामिल हैं। इनकी कीमत 100 से लेकर 400 रुपए के बीच है। भगवान कान्हा के लिए छोटे-छोटे झुमके, कंगन, मोरपंख, वस्त्र एग्जीबिशन में सजाए गए हैं। पढ़ने वाले बच्चों के लिए अनोखे प्रोडक्ट हैं। एक बॉक्स के अंदर ही पेंसिल, शार्पनर, कैलकुलेटर हैं। फ्रेंच फ्राई के रूप में पेन स्टैंड, टेबल लैंप उपलब्ध हैं। ये सभी सामान बच्चों को खूब पसंद आ रहे हैं। इनकी कीमत 100 से लेकर 500 रुपए के बीच है।

सिटी स्पोर्ट्स

एशियन कप जूडो में भारत के लिए रंजीता ने जीता स्वर्ण पदक

रायपुर। ताइपे में 15 जुलाई को आयोजित कैडेट एशियन कप जूडो में छत्तीसगढ़ के कोंडागांव की रंजीता कुरेटी ने 52 किग्रा वजन वर्ग में ताइपे की वांग टिंग यूँ को फाइनल में पराजित कर स्वर्ण पदक पर कब्जा कर भारत को पहली स्वर्णिम सफलता दिलाई।

जिला जूडो संघ रायपुर के अध्यक्ष एवं प्रदेश जूडो संघ के संयुक्त सचिव अनीस मेमन ने प्रदेश संघ के अध्यक्ष अरुण द्विवेदी के हवाले से बताया कि राज्य निर्माण पश्चात खेलों इण्डिया यूथ गेम्स में छत्तीसगढ़ को पहली बार स्वर्ण पदक दिलाने वाली रंजीता कुरेटी ने ताइपे एशिया को जूडो स्पर्धा में स्वर्ण जीत राज्य को गौरवान्वित किया है। मेमन एवं द्विवेदी के अनुसार छत्तीसगढ़ के सुदूर बस्तर क्षेत्र की खिलाड़ी ने जनवरी 2025 में पुणे नेशनल में बेस्ट प्लेयर का खिताब जीतकर भारतीय खेल प्राधिकरण के माध्यम से (जॉर्जिया) विदेश में जूडो प्रशिक्षण हेतु चयनित हो चुकी है। रंजीता का यह प्रदर्शन निश्चित रूप से सराहनीय है। रंजीता की उपलब्धि पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव (बस्तर जिला जूडो संघ अध्यक्ष), प्रदेश जूडो संघ के अध्यक्ष अरुण द्विवेदी, महासचिव शम्भू सोनी, संयुक्त सचिव अनीस मेमन, बस्तर जूडो संघ के सचिव अब्दुल मोइम, सरजीत सिंह बख्शी, परमजीत सिंह, राजकुमार जायसवाल सहित समस्त जिला संघो के पदाधिकारियों ने बधाई दी है।

जिला क्रिकेट संघ के ट्रायल में 130 ने लिया भाग

रायपुर। रायपुर जिला क्रिकेट संघ ने वर्ष 2026-27 हेतु सभी वर्गों के ट्रायल 11 जुलाई से प्रारंभ कर दिए है। इसके पहले एक जुलाई से 07 जुलाई तक सभी वर्गो के खिलाडियों का पंजीयन किया गया। इसके बाद वर्गवार खिलाडियों का ट्रायल 11 जुलाई से प्रारंभ हो गया है। 16 जुलाई को आर डी सी ए इंडोर स्टेडियम, तेलीबांधा रायपुर में अंडर 19 वर्ग के लगभग 130 खिलाडियों का ट्रायल संपन्न हुआ।15 जुलाई को अंडर 19 के ही 166 खिलाडियों ने भाग लिया था। ट्रायल को 3 स्लॉट में लिया गया। पहला स्लॉट सुबह 8.30 बजे से प्रारंभ हुआ। खिलाडियों को क्रमशः प्रारंभिक बल्लेबाज, मध्यक्रम बल्लेबाज, तेज गेंदबाज तथा स्पिन गेंदबाज वर्ग में विभाजित कर ट्रायल लिया गया।

जिला स्तरीय तैराकी में आनंद ने लगाई गोल्ड की हैट्रिक

रायपुर। डिस्ट्रिक्ट स्विमिंग एसोसिएशन द्वारा एक दिवसीय सब- जूनियर बालक बालिका जिला स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन राजधानी के अंतर्राष्ट्रीय तरणताल जी.ई रोड पर किया। जिसमे मुख्य अतिथि पार्षद आनन्द अग्रवाल ने विजेता तैराको को पुरस्कृत किये। चयनित तैराक अगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। संघ के अध्यक्ष डॉ मनीष शुक्ला, सचिव नरसिंह नाथ फरिकार ने सभी खिलाड़ियो को बधाई दी है। विजेता तैराक विभिन्न श्रेणी में 100 मीटर फ्रीस्टाइल (11 वर्ष बालक), आनंद द्विवेदी, मनीष कारण,अर्णव मिश्रा,100 मीटर फ्रीस्टाइल (11 वर्ष बालिका), सोना दास,अनिका शर्मा,अन्वी अग्रवाल,100 मीटर बैकस्ट्रोक (11 वर्ष बालक), आनंद द्विवेदी, तेजस्वी शर्मा, अपूर्व आदिले,100 मीटर बैकस्ट्रोक (11 वर्ष बालिका), अनिका शर्मा,शमिका गुप्ता,आरोही गुप्ता,100 मीटर बटरफ्लाई (17 वर्ष बालिका), न्यासा पैकरा,प्रिया सोनी,100 मीटर बटरफ्लाई (17 वर्ष बालक), अयान खन्ना, नमन नेताम, 100 मीटर बटरफ्लाई (14 वर्ष बालिका), वेदा राव शिंदे,आर्या सिंह,200 मीटर फ्रीस्टाइल (14 वर्ष बालक), इक्विर शर्मा,अरमान पंचमी,केशव मुंद्रा,100 मीटर बैकस्ट्रोक (14 वर्ष बालिका), वेरोनिका पांडा,हिया जैन,जान्या पटेल,100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक (14 वर्ष बालक), अनंत विजय शाह,अबीर शुक्ला,निश्चय मेंव,100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक (14 वर्ष बालिका) , मधुरा सूद,100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक (14 वर्ष बालक) ,उपराज सिंह,रुद्रांश, शौर्य देवांगन, 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक (14 वर्ष बालिका) , शगुन सिंह, समीक्षा पिंजनी, वेरोनिका,100 मीटर बटरफ्लाई (17 वर्ष बालक),शौर्य प्रताप सिंह, सम्यक वेद, 400 मीटर फ्रीस्टाइल (14 वर्ष बालक), कबीर शर्मा,यशस्वी शर्मा,अयान खन्ना, 400 मीटर फ्रीस्टाइल (14 वर्ष बालिका), हिया जैन,हिरण्य जैन,100 मीटर बैकस्ट्रोक (14 वर्ष बालक),केविन चावडा,आरवी केशरवानी आदि शामिल है।

सेहतमंद रहना है तो त्रिदोष को रखना होगा संतुलित

हमारे शरीर को नियंत्रित करते हैं कफ, पित्त और वात बारिश के मौसम में त्रिदोष का संतुलन है बेहद जरूरी

आयुर्वेद के अनुसार, हमारा शरीर वात, पित्त और कफ इन तीन ऊर्जाओं से मिलकर बना है। ये दोष हमारे शरीर के सभी कामों को नियंत्रित करते हैं, और इनका संतुलन ही हमें स्वस्थ रखता है। आइए इस लेख में हम इसी के बारे में जानते हैं।

आज की आधुनिक जीवनशैली में हम अक्सर शरीर के भीतरी संतुलन को नजरअंदाज कर देते हैं, जबकि हमारा प्राचीन भारतीय चिकित्सा विज्ञान 'आयुर्वेद' हमें स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने के गहरे रहस्य सिखाता है।

आयुर्वेद के अनुसार, हमारा शरीर केवल हड्डियां और मांसपेशियां नहीं, बल्कि तीन मूलभूत जैविक ऊर्जाओं या 'दोषों'- वात, पित्त और कफ से मिलकर बना है।

ये तीनों दोष हमारे शरीर की हर छोटी-बड़ी क्रिया को नियंत्रित करते हैं- चाहे वह सांस लेने की प्रक्रिया हो, भोजन का पाचन हो, या हमारे विचार और भावनाएं हों।

वात दोष

वात दोष वायु (हवा) और आकाश (स्थान) तत्वों से मिलकर बना है। यह हमारे शरीर में सभी प्रकार की गति को नियंत्रित करता है, जैसे सांस लेना, रक्त संचार, दिल की धड़कन, मांसपेशियों का हिलना और तंत्रिका तंत्र के संदेश। वात प्रधान लोग आमतौर पर दुबले-पतले, फुर्तीले और रचनात्मक होते हैं।

संतुलित वात होने पर व्यक्ति में उत्साह, तेजी से सोचने की क्षमता और अच्छी ऊर्जा होती है। लेकिन, जब वात असंतुलित होता है, तो व्यक्ति को जोड़ों में दर्द, कब्ज, गैस, त्वचा में सूखापन, अनिद्रा (नींद न आना), चिंता और घबराहट जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ठंडा, सूखा या हल्का भोजन, ज्यादा तनाव और अनियमित दिनचर्या वात को बढ़ा सकते हैं।

पित्त दोष

पित्त दोष अग्नि (आग) और जल (पानी) तत्वों से मिलकर बना है। यह हमारे शरीर में पाचन, चयापचय और सभी प्रकार के परिवर्तन को नियंत्रित करता है। यह भोजन को ऊर्जा में बदलने, बुद्धि और भावनाओं को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पित्त प्रधान लोग अक्सर मध्यम कद-काठी के, तीव्र बुद्धि वाले और दृढ़ निश्चयी होते हैं। संतुलित पित्त वाले लोग अच्छा पाचन, तेज दिमाग और नेतृत्व क्षमता रखते हैं। लेकिन, पित्त के असंतुलित होने पर एसिडिटी, पेट में जलन, त्वचा पर दाने या मुंहासे, गुस्सा, चिड़चिड़ापन और ज्यादा पसीना आना जैसी समस्याएं हो सकती हैं। तीखा, खट्टा, बहुत गर्म भोजन और ज्यादा गुस्सा पित्त को बढ़ा सकते हैं।

कफ दोष

कफ दोष पृथ्वी (मिट्टी) और जल (पानी) तत्वों से मिलकर बना है। यह हमारे शरीर को स्थिरता, संरचना, चिकनाई और प्रतिरक्षा प्रदान करता है। यह जोड़ों को चिकना रखता है, शरीर को शक्ति देता है और कोशिकाओं का विकास करता है। कफ प्रधान लोग आमतौर पर मजबूत और सहनशील होते हैं।

संतुलित कफ होने पर व्यक्ति में स्थिरता, धैर्य, अच्छी नींद और मजबूत रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है। लेकिन, कफ के असंतुलित होने पर वजन बढ़ना, सुस्ती, आलस, सर्दी - खांसी, बलगम, साइनस की समस्या और डिप्रेशन जैसी परेशानियां हो सकती हैं। मीठा, भारी, तैलीय भोजन, कम शारीरिक गतिविधि और ज़्यादा सोना कफ को बढ़ा सकता है।

संतुलन ही स्वस्थ जीवन की कुंजी

आयुर्वेद सिखाता है कि हर व्यक्ति में ये तीनों दोष मौजूद होते हैं। स्वस्थ रहने के लिए इन दोषों को संतुलन बनाए रखना बेहद जरूरी है। यह संतुलन खानपान, जीवनशैली, योग, ध्यान और आयुर्वेदिक उपचारों के माध्यम से बनाए रखा जा सकता है।

आपने भी कम कर दी है भोजन की खुराक तो जान लीजिए इसके नतीजे

अक्सर लोग अपना वजन कम करने के लिए या फिटनेस मेंटेन रखने के लिए अपने भोजन की मात्रा कम कर देते हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक ये आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है। आइए इस लेख में डॉक्टर से जानते हैं कि आहार में बदलाव करने का सही तरीका क्या है?

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर कोई फिट और स्वस्थ रहना चाहता है, और इसके लिए अक्सर लोग सबसे पहले अपने वजन को कम करने पर ध्यान देते हैं। अब वजन कम करने के लिए लोग तरह-तरह के तरीके अपनाते हैं। ऐसे में दिमाग में सबसे पहला विचार यही आता है कि क्यों न खाने की मात्रा को एकदम से कम कर दिया जाए। यही सोचकर, बहुत से लोग अपनी डाइट से भोजन की खुराक अचानक घटा देते हैं, यह मानते हुए कि यह वजन घटाने का सबसे तेज तरीका है।

लेकिन, क्या आपने कभी सोचा है कि वजन कम करने का यह तरीका, जो दिखने में आसान लगता है, असल में आपकी सेहत के लिए कितना खतरनाक हो सकता है? हेल्थ एक्सपर्ट डॉक्टर मल्हार गाणला जैसे विशेषज्ञ लगातार इस बात पर जोर देते हैं कि भोजन की मात्रा को बेवजह कम करना वजन घटाने का सही तरीका नहीं है, बल्कि इसके कई गंभीर और नुकसानदायक परिणाम हो सकते हैं। आइए इस लेख में हम विस्तार से जानते हैं कि ऐसा करना क्यों घातक है साथ ही ये भी जानेंगे कि वजन को नियंत्रित करने के लिए आहार में किस तरह का बदलाव किया जाना चाहिए।

पोषक तत्वों की कमी

जब आप अचानक अपनी डाइट से खाने की मात्रा कम कर देते हैं, तो सबसे पहले आपके शरीर में पोषक तत्वों की कमी होने लगती है। हमारे शरीर को ठीक से काम करने के लिए विटामिन, खनिज, प्रोटीन और फाइबर जैसे कई जरूरी पोषक तत्वों की हर दिन जरूरत होती है।

जब आप सिर्फ कैलोरी कम करने के चक्कर में खाने की मात्रा घटा देते हैं, तो आप जाने-अनजाने में इन जरूरी पोषक तत्वों से भी समझौता कर रहे होते हैं। इससे शरीर को जितना पोषण मिलना चाहिए, उतना नहीं मिल पाता, जिससे कमजोरी, थकान, बीमारियों से लड़ने की क्षमता में कमी और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं पैदा होने लगती हैं।

पेट का न भरना और बार-बार की भूख

अचानक भोजन की मात्रा कम करने का दूसरा बड़ा नुकसान यह है कि आपका पेट भरा हुआ महसूस नहीं होता। आयुर्वेद में भी 'सटाइटी रिफ्लेक्स' यानी भूख मिटाने का संकेत, जिसका मतलब है कि जब तक हमारा पेट भरा हुआ महसूस नहीं करता, तब तक हमारे दिमाग को यह संकेत नहीं मिलता कि हमने पर्याप्त खा लिया है। अगर पेट नहीं भरता, तो हमें बार-बार भूख लगती रहती है, जिससे हम बेचैन महसूस करते हैं और कई बार बाद में अधिक मात्रा में खाना खा लेते हैं, जो हमारे वजन कम करने के लक्ष्य को भी फेल कर देता है। अच्छे स्वास्थ्य के लिए पेट का भरा होना और भूख का शांत होना बहुत जरूरी है। डॉक्टर मल्हार गाणला के मुताबिक, वजन कम करने के लिए भोजन की मात्रा कम करना बिल्कुल गलत तरीका है। वे सलाह देते हैं कि अगर आपको कैलोरी कम करनी है, तो उन चीजों को कम खाएं जिनमें कैलोरी की मात्रा बहुत ज्यादा होती है।

मल्टी ग्रेन आटा इस्तेमाल करते हैं तो जरूर जानें इससे जुड़ी अहम बातें

आजकल लोग हेल्थ को लेकर काफी ज्यादा सजग हो गए हैं। हर कुछ नाप तौल कर ही खाते हैं। लेकिन कभी कभी जरूरत से ज्यादा सजगता नुकसानदायक हो सकता है। मल्टी ग्रेन आटा आज कल चलन में है। डायटीशियन आइना सिंघल ने इससे जुड़ी जानकारी साझा की है।

मल्टीग्रेन आटा से जुड़ी ये बातें जरूर जानें

एक्सपर्ट बताती हैं कि अगर आपको पेट से जुड़ी समस्याएं जैसे पेट फूलना, बदहजमी, या भूख न लगने जैसी शिकायतें रहती हैं, तो आपको मल्टीग्रेन आटा खाने से बचना चाहिए। ऐसा क्यों है इसे हम आपको विस्तार से समझा रहे हैं।

एक्सपर्ट बताती हैं कि हर अनाज को पचने का समय अलग अलग होता है और उसे तोडने के लिए शरीर को खास तरह के एंजाइमों की जरूरत होती है। जब आप 4 से 5 तरह के अनाजों को एक साथ मिलाकर आटा बनाती हैं, तो यह आपके पाचन को थोड़ा कंफ्यूज करता है। इससे खाना ठीक से नहीं पच पाता है। पोषक तत्वों का अवशोषण कम हो सकता है, जिससे गैस बन सकती है और आपको पेट में भारीपन महसूस हो सकता है।

क्या खाना सही होगा?

एक्सपर्ट बताती हैं कि इसका सबसे अच्छा उपाय है कि आप मौसम में मुताबिक सिंगल ग्रेन आटा खाएं। हमारे पूर्वज भी यही तरीका अपनाते थे और विज्ञान भी यही कहता है।

रागी या बेसन की रोटी खाएं

यह मौसम नमी वाला होता है। रागी और बेसन जैसे अनाज हल्के और सूखने वाले होते हैं, जो शरीर की अतिरिक्त नमी को मैनेज करने में मदद करते हैं। सर्दी में आप बाजरा या ज्वार का आटा खाएं। ये गर्म तासीर वाले अनाज हैं, जो शरीर में आंतरिक गर्मी पैदा करते हैं और चायपचाय को सहारा देते हैं। गर्मी में आपको जौ या चावल का आटा शामिल करना चाहिए। ये ठंडी तासीर वाले अनाज हैं, जो शरीर की गर्मी और एसिडिटी को नियंत्रित करने में मदद करते हैं।

बरसात में कोरियन जायके के साथ बनाएं खास चीला

अगर आप भी कोरियन स्नैक्स ट्राई करना चाहते हैं तो मानसून में हल्का और क्रिस्पी कोरियन स्टाइल पैनकेक परफेक्ट विकल्प है। यह झटपट तैयार हो जाने वाला स्नैक है जो आपको स्ट्रीट फूड का स्वाद देगा।

अगर आप भी कोरियन स्नैक्स ट्राई करना चाहते हैं तो मानसून में हल्का और क्रिस्पी कोरियन स्टाइल पैनकेक परफेक्ट विकल्प है। यह झटपट तैयार हो जाने वाला स्नैक है जो आपको स्ट्रीट फूड का स्वाद देगा। कोरियन पैनकेक को पेजन कहा जाता है, और इसे आप सब्जियों के साथ या बिना भी बना सकते हैं। इसमें खास बात यह है कि यह पैन फ्राय होता है और बहुत कम तेल में क्रिस्पी बनता है।

कोरियन पैनकेक बनाने की सामग्री

एक कप मैदा, दो चम्मच चावल का आटा,आधा कप बारीक कटी हरी प्याज, बारीक कटा गाजर, शिमला मिर्च पत्ता गोभी,दो कलियां कद्दूकस की हुई लहसुन,नमक,एक चम्मच सोया सॉस, घोल बनाने के लिए एक कप पानी,तलने के लिए रिफाइंड ऑयल, तेल या घी

कोरियन पैनकेक कैसे बनाते हैं?

एक कटोरे में मैदा, चावल का आटा, नमक और पानी डालकर पतला घोल बनाएं। इसमें सारी कटी सब्जियां, लहसुन और सोया सॉस मिलाएं। एक नॉनस्टिक तवा गरम करें और थोड़ा सा तेल डालें। अब घोल को पैन में डालें और चम्मच से थोड़ा फैला दें, जैसे चीला या डोसा फैलाते हैं। दोनों तरफ से गोल्डन ब्राउन और क्रिस्पी होने तक सेकें।

स्कूल या पब्लिक प्लेस पर आपकी बच्ची के साथ नहीं कर पाएगा कोई बदतमीजी, पहले से ही सिखा दें ये अहम बातें

बच्चियों की सुरक्षा के लिए उन्हें सशक्त बनाना जरूरी है। स्कूल जाने या पब्लिक प्लेस पर वीजिट करने से पहले अगर आप अपनी छोटी सी बच्ची को कुछ जरूरी बातें सिखाएंगी, तो वे अपने आप को मजबूत बना सकती हैं। साथ ही, किसी की बदतमीजी से बच भी सकती हैं। आज के दौर में बच्चियों की सुरक्षा, माता-पिता के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय है। स्कूल हो या कोई पब्लिक प्लेस, पेरेंट्स के मन में हमेशा यह चलता रहता है कि उनकी बच्ची सुरक्षित और हंसती-खिलखिलाती रहे।

अच्छा स्पर्श और बुरा स्पर्श का फर्क बताएं

यह सबसे बुनियादी और महत्वपूर्ण बात है जो हर बच्चे को पता होनी चाहिए। उन्हें बताएं कि शरीर के कुछ हिस्से प्राइवेट होते हैं जिन्हें कोई नहीं छू सकता, सिवाय डॉक्टर या माता-पिता के, वो भी केवल तभी जब बहुत जरूरी हो। समझाएं कि अगर कोई उन्हें ऐसे छूता है जिससे उन्हें अजीब, असहज या बुरा महसूस हो, तो वह 'बुरा स्पर्श' है। बताएं कि अगर कोई उन्हें गलत तरीके से छूता है या उन्हें असहज महसूस कराता है, तो उन्हें तुरंत उस जगह से हट जाना चाहिए और जोर से 'नहीं' कहना चाहिए।

बेटी को 'नहीं' कहना सिखाएं- बच्चों को अपनी सीमाएं तय करना और 'नहीं' कहना सिखाना बेहद जरूरी है। उन्हें समझाएं कि अगर कोई उन्हें कुछ ऐसा करने को कहता है जो उन्हें पसंद नहीं, या उन्हें असहज महसूस कराता है, तो उन्हें 'नहीं' कहने का पूरा अधिकार है। यह भी सिखाएं कि अगर कोई उनकी बात नहीं सुनता है और जबरदस्ती करता है, तो उन्हें चीखना, चिल्लाना या भागना चाहिए। उन्हें बताएं कि उनकी भावनाएं महत्वपूर्ण हैं और उन्हें हमेशा अपनी अंतर्ज्ञान पर भरोसा करना चाहिए। अगर उन्हें कोई व्यक्ति या स्थिति ठीक नहीं लगती, तो उन्हें उससे दूर रहना चाहिए।

अजनबियों से बात न करने दें- यह एक क्लासिक लेकिन हमेशा प्रासंगिक सलाह है। अपनी बच्ची को बताएं कि उन्हें किसी भी अजनबी से बात नहीं करनी चाहिए, खासकर अगर वे अकेले हों। उन्हें सिखाएं कि अजनबी अगर उन्हें कोई कैंडी, खिलौना या कोई और चीज देने की कोशिश करें, तो उसे बिल्कुल न लें। समझाएं कि अगर कोई अजनबी उनसे लिफ्ट देने या पता पूछने के बहाने पास आने की कोशिश करे, तो उन्हें तुरंत दूर हट जाना चाहिए और मदद के लिए किसी बड़े को पुकारना चाहिए।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

ब्लैंको की दुल्हन बनेंगी सेलेना, कपल ने शुरू की भव्य शादी की तैयारियां

हॉलीवुड की मशहूर जोड़ी सेलेना गोमेज और बेनी ब्लैंको जल्द ही शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। दोनों की शादी कैलिफोर्निया के मोंटेसीटो में होगी। इसके लिए कपल ने पूरी प्लानिंग भी कर ली है। दोनों की शादी दो दिन तक चलने वाला एक ग्रैंड इवेंट होगा जिसमे परिवार, करीबी दोस्त ही शिरकत करेंगे। ये स्टार कपल सितंबर माह में कैलिफोर्निया के मोंटेसीटो में शादी करने जा रहा है। खास बात ये है कि ये शादी के पूरे रिति-रिवाजों को दो दिन में पूरा किया जाएगा और इसमें इंडस्ट्री के कई चर्चित चेहरे शामिल होने वाले हैं।

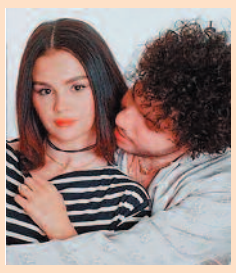

पिछले कुछ महीनों से ये कपल अपनी शादी को लेकर चर्चाओं में बना हुआ है। दोनों ने पिछले साल एक दूसरे से सगाई की है। दोनों ने अपनी शादी के बारे में जय शेट्टी के पॉडकास्ट में खुलकर बात की थी। इस दौरान कपल ने अपनी मुलाकात, सगाई और शादी के प्लान को लेकर चर्चा की थी। अब खबर है कि शादी की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं और निमंत्रण ईमेल के जरिए मेहमानों को भेजे जा चुके हैं।

सूत्रों के मुताबिक ये शादी किसी ग्रैंड बॉलीवुड या हॉलीवुड वेडिंग की तरह भव्य न होकर एक प्राइवेट फंक्शन होगा। दोनों चाहते हैं कि इस खास दिन पर सिर्फ उनके करीबी दोस्त और परिवार ही मौजूद हों। खास बात ये है कि मेहमानों को वीकेंड स्टे के लिए कहा गया है ताकि वो दोनों दिन शादी समारोह का हिस्सा बन सकें। सेलेना की सबसे अच्छी दोस्त कही जाने वालीं टेलर स्विफ्ट भी इस शादी में अपने पार्टनर ट्रैविस केल्सी के साथ शामिल हो सकती हैं। इसके अलावा 'ओनली मर्डर्स इन द बिल्डिंग' के को-स्टार्स और बेनी ब्लैंको के म्यूजिक इंडस्ट्री से जुड़े दोस्त भी इस लिस्ट में शामिल हो सकते हैं।

टॉलीवुड

राजामौली की फिल्म में खुद स्टंट करेंगे महेश बाबू, फिल्म में होगा खास सोलो डांस नंबर भी

एसएस राजामौली की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'एसएसएमबी29' को लेकर दो नए अपडेट सामने आए हैं। पहला कि इस फिल्म में महेश खुद खतरनाक स्टंट करते नजर आएंगे और दूसरा की इस फिल्म में उनके ऊपर एक खास सोलो सॉन्ग फिल्माया जाएगा।

टॉलीवुड सुपरस्टार महेश बाबू की नई फिल्म 'एसएसएमबी29' का प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह एक एडवेंचर फिल्म है, जिसका निर्देशन एसएस राजामौली कर रहे हैं। इसमें प्रियंका चोपड़ा जोनस और पृथ्वीराज सुकुमारन भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। फिल्म को लेकर दो और नई अपडेट सामने आई हैं।

महेश बाबू की फिल्म 'एसएसएमबी29' को लेकर दो रोमांचक जानकारी सामने आई है। पहली, वे इस फिल्म में अपने खतरनाक स्टंट खुद करेंगे, जैसा कि वे अपनी फिल्मों में पहले भी कर चुके हैं। दूसरी, राजामौली ने महेश के लिए एक शानदार सोलो डांस नंबर प्लान किया है, जिसमें वे एक नए अवतार में नजर आएंगे।

फिल्म 'एसएसएमबी29' का अगला एक्शन से भरपूर शेड्यूल पहले केन्या में होने वाला था, लेकिन वहां की परिस्थितियों के कारण इसे रद्द कर दिया गया। अब टीम दक्षिण अफ्रीका या फिर तंजानिया में शूटिंग की योजना बना रही है। एसएस राजामौली के निर्देशन में बन रही 'एसएसएमबी29' में महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन लीड रोल में नजर आएंगे। यह फिल्म 2027 में रिलीज हो सकती है। महेश बाबू इन दिनों एसएस राजामौली की फिल्म 'एसएसएमबी29' की शूटिंग में बिजी है। इस फिल्म के अलावा कथित तौर पर महेश निर्देशक बुची बाबू सना के साथ एक नया प्रोजेक्ट शुरू करने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बुची बाबू सना ने महेश बाबू को अपनी फिल्म की स्क्रिप्ट भी सुना दी है, जिसे एक्टर ने काफी पसंद भी किया। ये एक पैन-इंडिया फिल्म होगी, जो तेलुगु के साथ-साथ हिंदी और दूसरी भाषाओं में भी रिलीज होगी।

भोजपुरी

एक साथ तीन फिल्मों का हुआ मुहूर्त

बिहार की सांस्कृतिक राजधानी मुजफ्फरपुर की धरती भी अब फिल्म निर्माण के क्षेत्र में उर्वरा हो रही है। मुजफ्फरपुर के निर्देशक इब्रान खान के निर्देशन में एक साथ तीन भोजपुरी फिल्म की शूटिंग बिहार के विभिन्न लोकेशन पर होगी। तीनों फिल्म की शूटिंग ₹रोयल कांसेप्ट₹ एवं ₹सूर्वयांश फिल्म प्रोडक्शन₹ के बैनर तले होगी। फिल्म ₹मोहब्बत के मुसाफिर₹ ₹जख्मी जान₹ और ₹कलह₹ के लेखक अमीर हमजा हैं। फिल्म के निर्देशक इब्रान खान ने बताया कि तीनों फिल्म का कॉन्सेप्ट बिलकुल यूनिक है जो दर्शकों को भोजपुरी में इससे पहले इस तरह की फिल्म देखने को नहीं मिली होगी। फिल्म के म्यूजिक डायरेक्टर प्रवीण सोनी ने बताया कि फिल्म के सारे गीत बहुत ही शानदार है।

इस बैनर से जुड़कर काम करने में काफी आनंद की अनुभूति हो रही है।। इस फिल्म में नए कलाकार के साथ साथ कुछ नामचीन कलाकार में काम करते हुए नजर आएंगे।। भव्य मुहूर्त कालिका मूवीज स्टूडियो में सम्पूर्ण हुआ। मुहूर्त के समय अभिनेता प्रिंस सिंह राणा, ऋषि, पिकेश ताव्या, प्रवीण सोनी, डी जे राजा, अमीर हमजा, इब्रान खान एवम अन्य कलाकार उपस्थित थे।

कॉलेज फैशन के रंग

लाइफ स्टाइल

इन दिनों कॉलेज स्टूडेंट ट्रेंडिंग फैशन स्टाइल को लेकर बेहद गंभीर हैं। कुछ प्रमुख रुझानों में एथलीज़र, ओवरसाइज़्ड फ़िट्स और वाई2के स्टाइल्स की वापसी शामिल है। विशेष रूप से डेनिम और बोल्ड एक्सेसरीज़ पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। स्थायित्व भी एक बढ़ता हुआ कारक है, जिसमें थ्रिफ्टिंग और टिकाऊ डेनिम की लोकप्रियता बढ़ रही है।

सावन में बिना मेहंदी के भी संवारे अपने हाथ

सावन आ गया है और अब तक मेहंदी नहीं लगा सकी हैं तो कुछ घरेलू उपाय हैं, जो आपके हाथों को सुंदरता और त्योहारी लुक दे सकते हैं। सावन में झटपट हथेलियों में मेहंदी जैसा निखार लाने के लिए कुछ आसान तरीकों को अपनाएं ताकि समय की कमी के बाद भी आप सावन स्पेशल स्टाइल को अपना सकें।

सावन का महीना आते ही हर तरफ हरियाली और भक्ति का माहौल बन जाता है। यह महीना खासतौर पर महिलाओं के लिए होता है, जिसमें वह हरे रंग के परिधान पहनती हैं। 16 श्रृंगार करके संजती-संवरती हैं और हाथों में मेहंदी रचाती हैं। हालांकि अगर अपनी व्यस्त जीवनशैली के चलते अब तक आपको मेहंदी लगाने का समय नहीं मिल सका है तो भी आप अपने हाथों की सुंदरता को निखार सकती हैं। इसके लिए कुछ घरेलू उपाय हैं, जो आपके हाथों को सुंदर और त्योहारी लुक दे सकते हैं। सावन में झटपट हथेलियों में मेहंदी जैसा निखार लाने के लिए कुछ आसान तरीकों को अपनाएं ताकि समय की कमी के बाद भी आप सावन स्पेशल स्टाइल को अपना सकें। यहां जानिए,सावन में हाथ सुंदर दिखाने के आसान तरीके।

सिर्फ उंगलियों में मेहंदी लगाएं

अगर आपके पास मेहंदी लगाने का पर्याप्त समय नहीं है तो ऐसी डिजाइन लगाएं जो झटपट लग जाए। आप सिर्फ अपनी उंगलियों के पोर को मेहंदी से भर सकते हैं। या ऐसी कई सुंदर मेहंदी डिजाइन हैं जो सिर्फ उंगलियों में लगाकर पूरे हाथ की खूबसूरती को बढ़ा सकती हैं।

हरी चूड़ियां अगर आप सावन में मेहंदी नहीं ला पा रही हैं तो अपने हाथों को त्योहार के मुताबिक सजाने के लिए हरे रंग की चूड़ियां पहनें। सावन

में इस रंग की चूड़ियां आपकी कलाइयों को अधिक आकर्षक बना देंगी।

नेल पेंट

हाथों की सुंदरता को नेल पेंट या मिनी नेट आर्ट से बढ़ा सकते हैं। एक सॉफ्ट या ब्राइट कलर की नेल पॉलिश हाथों को आकर्षक बना देती है। थोड़ा सा ग्लिटर या मिनी आर्ट लुक में चार चांद लगा सकता है।

मेहंदी स्टिकर्स

मेहंदी डिजाइन लगाने, हिना सुखाने और रंग चढ़ने तक का वक्त आपके पास नहीं है तो पांच मिनट में मेहंदी लगाकर रंगत ला सकते हैं। इसके लिए अब बाजार में मेहंदी स्टीकर्स आने लगे हैं। अगर समय नहीं है तो 5 मिनट में लगाने वाले हिना स्टिकर या टेटू भी एक अच्छा विकल्प हैं।

मानसून में साड़ी की कुछ खास डिजाइन जीत लेगी आपका दिल

बारिश का मौसम शुरू हो गया है और ऐसे मौसम में अधिकतर महिलाएं आरामदायक और हलके कपडे पहनना ज्यादा पसंद करती हैं। अगर आप भी उन्हीं महिलाओं में से एक हैं, तो ये खबर आपके लिए खास हो सकती हैं। आज हम आपको इस सीजन में पहनने के लिए कुछ ऐसे साड़ी के कलेक्शन बताएंगे, जिन्हें ट्राई कर आप बला की खूबसूरत लग सकती हैं।

लाइट पिंक प्योर लिनन

अपनी खूबसूरती में चार चांद लगाने के लिए और मानसून में आरामदायक लुक पाने के लिए अगर आप भी साड़ी तलाश रही हैं, तो आपके लिए यह लाइट पिंक प्योर लिनन साड़ी बेस्ट हो सकती हैं। ऐसी साड़ी को आप मार्केट जाकर अपने लिए खरीद सकती हैं। या ऑनलाइन भी आर्डर कर सकती हैं। यह साड़ी आपको स्टाइलिश लुक देने के साथ साथ आपको कम्फर्ट लुक देने में भी मदद करेगी।

लाइट ग्रीन वोवेन लिनन

मानसून सीजन में स्टाइल करने के लिए आप लेटेस्ट साड़ी डिजाइन देख रही हैं, तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं हैं। आप इस खूबसूरत लाइट ग्रीन वोवेन लिनन साड़ी को ट्राई कर सकती हैं और अपनी खूबसूरती में चार चांद लगा सकती हैं। अधिकतर महिलाएं बरसात के मौसम में इस तरह की साड़ी पहनना पसंद करती हैं। ऐसे में आपके लिए ये बेस्ट हो सकती हैं।

शिबोरी लिनन

बारिश के मौसम में उमस होना एक आम बात है, लेकिन ऐसी उमस में रोजाना अलग अलग ऑउटफिट पहनकर ऑफिस या कॉलेज जानें में अधिकतर वर्किंग वीमेन को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में अब आप इस खूबसूरत शिबोरी लिनन साड़ी को भी ट्राई कर सकती हैं।

इस स्क्रब से आप भी कर सकती हैं डार्क एल्बो को कम

महिलाएं न सिर्फ अपने चेहरे की खूबसूरती बल्कि हर छोटी-छोटी चीजों का बहुत ध्यान रखती हैं। ऐसे में अधिकतर महिलाएं कोहनी के कालेपन की वजह से काफी परेशान रहती है। अगर आप भी कोहनी पर जमी टैनिंग और गंदगी को कम करना चाहती है, तो ब्यूटी एक्सपर्ट के बताएं कुछ आसान उपाय को आजमा सकती हैं। इन उपाय को कर आप राहत पा सकती हैं।

टैनिंग रिमूवल स्क्रब

ब्यूटी एक्सपर्ट वर्षा के मुताबिक कोहनी पर जमा कालापन शर्मिंदगी का कारण बन सकता है, जिसकी वजह से अधिकतर महिलाएं परेशान रहती हैं। लेकिन अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आप घर पर रहकर एक खास स्क्रब तैयार कर इससे छुटकारा पा सकती हैं। स्क्रब बनाने के लिए आपको शहद,ओट्स,चीनी और नींबू का रस जैसी कुछ सामग्री की जरूरत लगेगी।

टैनिंग रिमूवल स्क्रब बनाने का तरीका

कोहनी के कालेपन को कम करने के लिए अगर आप भी घर पर स्क्रब बनाने का सोच रही हैं, तो इसे बनाने के लिए सबसे पहले आप ओट्स को मिक्सर या ब्लेंडर की मदद से पीस लें। ध्यान रहे आपको इन्हें ज्यादा बारीक आते जैसा नहीं करना है। आप इसे दरदरा रखें। अब आप ओट्स को पीसकर एक कंटेनर में इसे निकाल लें, अब इसमें दो बड़े चम्मच शहद, दो चम्मच चीनी और नींबू का रस मिला दे। अब इस पेस्ट को अच्छी तरह फेंट ले। अब आपका स्क्रब बनकर तैयार है, आप इसे कोहनी पर लगाने से पहले अपनी कोहनी को अच्छी तरह पानी से धो लें, उसके बाद इसे लगाकर हल्के हाथों से मसाज करें। इस स्क्रब का आप एक हफ्ते में दो बार इस्तेमाल कर सकती है। यही नहीं आप चाहे तो इसे कोहनी पर लगाने के साथ-साथ अपने घुटने पर भी लगा सकती हैं। यह स्क्रब घुटने से भी टैनिंग हटाने में मदद करेगा।

स्टाइलिश लुक के लिए खास इयररिंग्स

इयररिंग्स आपके लुक में नई जान डालने का काम करते हैं, और साथ ही, आपके लुक को स्टाइलिश और ब्यूटीफुल भी बनाते हैं। इसलिए आपको कुछ लेटेस्ट डिजाइंस वाले इयररिंग्स पर नजर डालनी चाहिए। इस तरह के इयररिंग्स ऑफिस में आपको प्रोफेशनल लुक देने का काम करेंगे, साथ ही, अगर आप इन्हें पार्टी में पहनती हैं, तो ये आपके लुक में चार चांद लगा देंगे।

पर्ल इयररिंग्स

डार्क कलर के आउटफिट में स्टाइलिश लुक पाने के लिए आप इस तरह के पर्ल इयररिंग्स पहन सकती हैं। ये इयररिंग्स फ्लावर डिजाइन में हैं और इन्हें स्टाइल करने के बाद आपका लुक सुंदर नजर आएगा। ये इयररिंग्स आप किसी पार्टी में शामिल होने के दौरान पहन सकती हैं और ये आपको 200 रुपये तक की कीमत में आसानी से मिल सकते हैं।

अलॉय डिजाइन इयररिंग्स

पर्ल वर्क में आप इस तरह के अलॉय डिजाइन वाले इयररिंग्स का चुनाव कर सकती हैं। ये इयररिंग्स जहाँ अलॉय डिजाइन में हैं, वहीं ये पर्ल वर्क में भी हैं। इस तरह के इयररिंग्स न्यू लुक पाने के लिए बेस्ट ऑप्शन हैं और इन्हें आप लाइट और डार्क कलर के आउटफिट के साथ स्टाइल कर सकती हैं। ये इयररिंग्स आपको आसानी से ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही जगहों से 200 रुपये से 300 रुपयेकी कीमत में मिल सकते हैं।

क्यूबिक डिजाइन इयररिंग्स

अगर आप ऑफिस में साड़ी या सूट स्टाइल कर रही हैं, तो आप इस तरह के क्यूबिक डिजाइन वाले इयररिंग्स पहन सकती हैं। ये इयररिंग्स न्यू लुक पाने के लिए बेस्ट हैं।

स्टोन वर्क इयररिंग्स

पार्टी में स्टाइलिश लुक पाने के लिए आप इस तरह के स्टोन वर्क इयररिंग्स का चुनाव कर सकती हैं। ये स्टोन वर्क इयररिंग्स फ्लोरल डिजाइन में हैं और इन्हें स्टाइल करने के बाद आपका लुक बेहद ही सुंदर हो जाएगा।

कार्नर न्यूज

आपके लुक को क्लासी टच देंगे कुछ चुनिंदा हेयर स्टाइल

अपने लुक को बनाना है क्लासी तो इन हेयर स्टाइल से लें इंस्पिरेशन, महफिल की रौनक बन जाएंगी आप

ब्यूटीफुल लुक पाने के लिए जहां महिलाएं बेस्ट आउटफिट का चुनाव करती हैं, तो वहीं परफेक्ट हेयर स्टाइल भी आपके लुक में चार चांद लगाने का काम करता है। अगर आप अपने लुक को क्लासी टच देना चाहती हैं, तो आप एक्ट्रेसेस के हेयर स्टाइल से इंस्पिरेशन ले सकती हैं। ये हेयर स्टाइल्स आप किसी पार्टी या किसी खास इवेंट में शामिल होने के दौरान बना सकती हैं। वहीं, इन हेयर स्टाइल्स में आपका लुक बेहद ही अलग और सुंदर नजर आएगा। हम आपको एक्ट्रेसेस के कुछ ऐसे हेयर स्टाइल दिखा रहे हैं, जो आपके लुक को क्लासी और नया लुक देने का काम करेंगे।

साइड-स्वेप्ट हेयर स्टाइल

साड़ी में क्लासी लुक पाने के लिए आप एक्ट्रेस अनन्या पांडे के हेयर स्टाइल से इंस्पिरेशन ले सकती हैं। एक्ट्रेस ने साइड-स्वेप्ट हेयर स्टाइल बनाया है और इसमें उनका लुक बेहद ही सुंदर और स्टाइलिश नजर आ रहा है। इस तरह के हेयर स्टाइल को बनाने के लिए आप बालों को पीछे की तरफ खींचकर ऊपर करके

ओर इकट्ठा करके बांध लें। इसके बाद आगे की तरफ कुछ बालों को वेव या कर्ल करके ब्यूटीफुल लुक पाएं।

इस तरह बनाएं ये हेयर स्टाइल

सबसे पहले बालों को दाएं या बाएं किसी भी तरफ साइड पार्ट करें।इसके बाद पिन की मदद से अच्छी तरह सेट करें। आगे आए हुए बालों को फ्लैट आयरन की मदद से स्ट्रेट करें।इसके साथ आप हेयर क्लिप या फ्लोरल पिन एक्सेसरीज भी लगा सकती हैं।

वेवी हेयर स्टाइल

अगर आप किसी इवेंट या पार्टी में शामिल हो रही हैं और इस दौरान साड़ी या ड्रेस पहन रही हैं, तो आप एक्ट्रेस मेधा शंकर की तरह वेवी हेयर स्टाइल बना सकती हैं। इस तरह का हेयर स्टाइल आपके लुक को स्टाइलिश और क्लासी टच देने का काम करेगा और इसे बनाने के बाद आपका लुक सुंदर भी नजर आएगा।

इस तरह बनाएं ये हेयर स्टाइल

बालों को 3-4 सेक्शन में बांटें और इसके बाद कर्लिंग आयरन की मदद से हल्के कर्ल बनाएं।इसके बाद आप हाथों से हल्के से कर्ल्स को खोल दें। क्लासी लुक के लिए कुछ बेहतरीन हेयरस्टाइल्स में फ्रेंच ट्विस्ट, स्लीक बन, साइड पार्टेड वेव्स, और ब्रेडेड बन शामिल हैं। ये हेयरस्टाइल्स न केवल स्टाइलिश हैं, बल्कि इन्हें बनाना भी अपेक्षाकृत आसान है।

फ्रेंच ट्विस्ट: यह एक क्लासिक और एलिगेंट हेयरस्टाइल है जो किसी भी अवसर के लिए उपयुक्त है। इसे बनाने के लिए, बालों को एक तरफ करके ट्विस्ट करें और बॉबी पिन से सिक्योर करें।

स्लीक बन: एक स्लीक बन एक और शानदार विकल्प है। इसे बनाने के लिए, बालों को कंघी करके पीछे की तरफ बांध लें और फिर एक बन बना लें। आप इसे अपनी पसंद के अनुसार हाई या लो बना सकते हैं।

साइड पार्टेड वेव्स: साइड पार्टेड वेव्स एक फैशनेबल और ट्रेंडी हेयरस्टाइल है। इसे बनाने के लिए, बालों को एक तरफ करके कंघी करें और फिर वेव्स बनाएं। आप वेव्स को कर्लर या स्ट्रेटनर से बना सकते हैं।

ब्रेडेड बन: ब्रेडेड बन एक और स्टाइलिश विकल्प है। इसे बनाने के लिए, बालों को ब्रेड करें और फिर उसे एक बन में लपेट लें। आप एक फ्रेंच ब्रेड या एक सिंपल ब्रेड का उपयोग कर सकते हैं।

चेहरे का आकार: अपने चेहरे के आकार के अनुसार हेयरस्टाइल चुनें। उदाहरण के लिए, यदि आपका चेहरा गोल है, तो आप ऐसे हेयरस्टाइल चुन सकते हैं जो आपके चेहरे को लंबा दिखाए, जैसे कि साइड-स्वेप्ट बैंग्स या लंबे, स्तरित कट। अपने बालों के प्रकार के अनुसार हेयरस्टाइल चुनें। यदि आपके बाल सीधे हैं, तो आप वेव्स या कर्ल्स बना सकते हैं।